साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 26 • कठुआ, शनिवार 22 नवंबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रूपए

जम्मू–कश्मीर लॉजिस्टिक्स नीति 2025 जल्द ही जारी की जाएगी : एलजी सिन्हा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि जम्मू तेज़ी से एक व्यापार और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में उभर रहा है जो लद्दाख और कश्मीर घाटी को देश के व्यापार गलियारों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर लॉजिस्टिक्स नीति 2025 जल्द ही जारी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नई नीतिगत पहल मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, शुष्क बंद. रगाहों और भंडारण क्षेत्रों के विकास और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक व्यापक ढाँचा पेश करेगी।

भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित जम्मू व्यापार और लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव–2025 में बोलते हुए उपराज्यपाल ने कहा, यह (नीति) लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा भी प्रदान करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि इसे औद्योगिक नीति के सभी लाभ प्राप्त हों।

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने स्मार्ट लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे और बेहतर लॉजिस्टिक्स संचालन के माध्यम से जम्मू–कश्मीर की विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने का आह्वान किया। सिन्हा ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने, उत्पादकों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने और हमारे व्यापारियों, उद्योग. पतियों, किसानों, कारीगरों और एमएसएमई की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत भंडारण, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस पारिस्थितिकी तंत्र समय की आवश्यकता है।

उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश को और अधिक प्रतिस्पर्धी और निवेश–तैयार गंतव्य बनाने के उद्देश्य से की गई प्रमुख पहलों को भी साझा किया।

उपराज्यपाल ने बताया कि पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस–एनएमपी) के तहत, केंद्र शासित प्रदेश में 3,000 करोड़

■ शेष पेज 2...

लाल किला विस्फोट : एनआईए ने तीन डॉक्टरों और एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को तीन डॉक्टरों और एक उपदेशक को हिरासत में ले लिया, जिन्हें 10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें 15 लोग मारे गए थे, अधिकारियों ने कहा।

मुजम्मिल गनी, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ–साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को जम्मू–कश्मीर पुलिस ने विस्फोट के बाद गिरफ्तार किया था। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, उन सभी ने उस आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।

उनकी हिरासत एनआईए को स्थानांतरित होने के साथ, जिसने औपचारिक रूप से 11 नवंबर

■ शेष पेज 2...

श्रीनगर पुलिस ने घाटी में धोखाधड़ी और सोना चोरी के रैकेट का भंडाफोड़ किया; मुख्य महिला आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : अंतर–जिला धोखाधड़ी और चोरी के सोने के नेटवर्क पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, श्रीनगर पुलिस ने एक कुख्यात महिला जालसाज़ को उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। इस तरह, कश्मीर भर में महीनों से सोने के व्यापारियों को निशाना बना रहे एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है।

लाल बाज़ार थाना पुलिस ने एक बयान में बताया कि असमत जान उर्फ घ्तब्बू नामक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जो लाल बाज़ार, सफाकदल, चदूरा, सोपोर और खीव (अवंतीपोरा) में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाज़ी के कई मामलों में वांछित थी। आरोपी लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रही थी और कानून प्रवर्तन से बचने के लिए अक्सर पश्चिम बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र और जम्मू के बीच अपना ठिकाना बदलती रहती थी।

इसमें कहा गया है कि विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर एसडीपीओ और जोनल एसपी की देखरेख में पुलिस स्टेशन लाल बाजार की पांच समर्पित टीमों ने निरंतर प्रयासों के बाद जालंधर (पंजाब) के होटल व्हाइट हाउस से उसे पकड़ लिया। बयान में कहा गया है

■ शेष पेज 2...

नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

सबका जम्मू कश्मीर

अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि देश भर में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का उन्मूलन संभव हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों को अन्य सामाजिक समूहों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना होगा।

राष्ट्रपति ने कहा, छत्तीसगढ़ और पूरे देश में लोग (नक्सली) वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कदम उठा रहे हैं और इन

■ शेष पेज 2...

सीएस डुल्लू ने जम्मू–कश्मीर में प्रमुख राजमार्गों और सुरंगों की प्रगति की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज प्रोजेक्ट बीकन, प्रोजेक्ट संपर्क, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल और लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग द्वारा जम्मू और कश्मीर में निष्पादित किए जा रहे प्रमुख राजमार्ग और सड़क विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा के लिए

एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्य सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश भर में निष्पादन के तहत सभी प्रमुख राजमार्गों पर प्रगति का परियोजना–वार और पैकेज–वार आकलन किया। उन्होंने पूरा होने की विस्तृत समयसीमा मांगी और निष्पादन एजेंसियों के सामने आने वाली बाधाओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण सामग्री की निकासी की अनुमति सख्ती से सुनिश्चित की जानी चाहिए और इसका उपयोग केवल निर्दिष्ट परियोजनाओं के लिए किया जाना चाहिए। उपायुक्तों को निर्देश दिया गया कि वे मुआवजे के मामलों में तेजी लाएं और सभी परियोजना पैकेजों पर एक साथ काम करने

■ शेष पेज 2...

जिला आयुक्त कठुआ ने महनपुर में जन शिकायत निवारण शिविर लगाया, लोगों की सुनी समस्याएँ

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा ने गुरुवार को महनपुर स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में जन शिकायत निवारण बैठक आयोजित की। इस बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में उपलब्ध आवश्यक सेवाओं की समीक्षा करना और लोगों की समस्याएँ सीधे सुनना था। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त

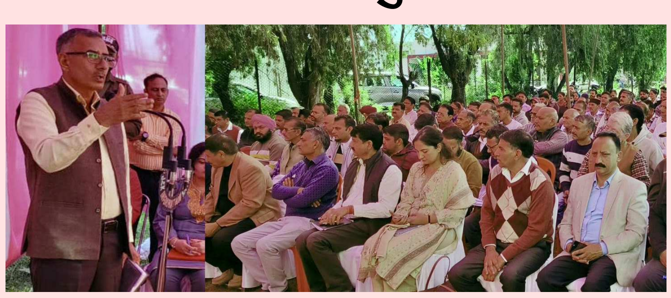

कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा, उपायुक्त

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

जम्मू-कश्मीर लॉजिस्टिक्स...

रुपये की लागत वाली 49 प्रमुख लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी परियोजनाओं का मानचित्रण पहले ही किया जा चुका है, जिससे वास्तविक समय में समन्वय और तेज़ क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि एकीकृत नियोजन दृष्टिकोण जम्मू-कश्मीर को रसद संबंधी कमियों की पहचान करने, औद्योगिक क्षेत्रों तक अंतिम-मील कनेक्टिविटी में सुधार करने, माल ढुलाई को अनुकूलित करने और रसद लागत व पारगमन समय को उल्लेखनीय रूप से कम करने में मदद कर रहा है।

उपराज्यपाल ने आगे कहा कि जम्मू के विजयपुर में एक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का विकास सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत, बिल्ड-डेवलप-फाइनेंस-ऑपरेट-ट्रांसफर (डीबीएफओटी) दृष्टिकोण के तहत किया जाएगा।

यह पार्क एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी), वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, एक ट्रक टर्मिनल और एक कंटेनर फ्रेट स्टेशन जैसी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करेगा, जिसका उद्देश्य व्यापार और रसद दक्षता को बढ़ावा देना है।

नक्सली हिंसा का...

प्रयासों को "एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव" बताया।

उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में 1,65,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो बहुत खुशी की बात है।

उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आदिवासी नायकों के आदर्शों का पालन करते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

मुर्मू ने कहा, "इमहिलाएं समाज की नींव हैं और जब वे आगे बढ़ती हैं, तो समाज आगे बढ़ता है"

राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप विजेता क्रिकेट टीम के साथ अपनी हालिया मुलाकात को याद करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी क्रिकेटर क्रांति गौड़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर टीम में जगह बनाई है।

उन्होंने कहा कि क्रांति का राष्ट्रीय टीम तक का सफर चुनौतियों से भरा था, लेकिन वह साहस और दृढ़ता का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरीं।

मुर्मू ने कहा, क्रांति गौड़ ने देश भर की महिलाओं, विशेषकर आदिवासी समुदाय की बेटियों के लिए कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का एक क्रांतिकारी उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक खेलों को लुप्त होने देने के बजाय उन्हें संरक्षित और बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदायों ने हमेशा खेलों में गहरी रुचि और स्वाभाविक प्रतिभा दिखाई है और उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए इस शक्ति को पोषित करना जारी रखना चाहिए।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित थे।

आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती को श्जनजातीय गौरव दिवसश के रूप में मनाया जाता है।

लाल किला विस्फोट...

को मामले को संभाल लिया, संघीय एजेंसी द्वारा बुक किए गए लोगों की संख्या छह हो गई है।

एनआईए पहले ही दो लोगों – आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी उर्फ घ्दानिश को

गिरफ्तार कर चुकी है वानी को तब गिरफ्तार किया गया जब यह पता चला कि उमर उसे आत्मघाती हमलावर बनने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा था। वह राजी तो नहीं हुआ, लेकिन कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के लिए एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करने के लिए तैयार हो गया।

गिरफ्तार किए गए लोगों पर एक श्सफेदपोशश आतंकी मॉड्यूल का केंद्र होने का आरोप है, जिसका भंडाफोड़ जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर किया था। जांच के दौरान फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय का पता चला, जहाँ से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया।

यह सब 18-19 अक्टूबर की रात को शुरू हुआ, जब प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर श्रीनगर शहर के बाहर दीवारों पर दिखाई दिए। पोस्टरों में घाटी में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमलों की चेतावनी दी गई थी।

श्रीनगर पुलिस ने इस मामले को एक गंभीर मुद्दे के रूप में देखने का फैसला किया, न कि केवल एक बार की घटना के रूप में और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (श्रीनगर) जीवी संदीप चक्रवर्ती ने मामले की गहराई तक जाने के लिए कई टीमें गठित कीं।

सीसीटीवी फुटेज में पोस्टर चिपकाते हुए दिखाई देने के बाद तीन लोगों – आरिफ निसार डार उर्फ घ्साहिल, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार उर्फ घ्शाहिद – को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान, उन्होंने शोपियां के पूर्व पैरामेडिक से उपदेशक बने मौलवी इरफान अहमद का नाम लिया, जिसने पोस्टर मुहैया कराए थे। उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

यही वह सूत्र था जिससे साजिश का पर्दाफाश हुआ। यह उससे पूछताछ थी जो अंततः जांचकर्ताओं को अल फलाह विश्वविद्यालय और कश्मीरी डॉक्टरों के समूह तक ले गई।

गिरफ्तार होने वाला पहला व्यक्ति फरीदाबाद का गनई था। फिर सईद भी शहर से। बाद में अदील राठेर को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया गया।

सीएस डुल्लू ने ...

के लिए निष्पादन एजेंसियों को तुरंत जमीन सौंपने की सुविधा के लिए समय पर संवितरण सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रशासन सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा, लेकिन एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करना होगा। लोक निर्माण विभाग को निर्माणाधीन नई डीपीआर को अंतिम रूप देने और उसका पालन करने के लिए कहा गया ताकि ये महत्वपूर्ण परियोजनाएँ तेज़ी से निविदा और निष्पादन के चरणों में पहुँच सकें। श्रीनगर-बारामूला-उड़ी रोड, खानाबल-बालटाल रोड, पीर की गली और साधना सुरंगों के लिए संरेखण निर्धारण, अखनूर-पुंछ रोड (पूर्ण होने की स्थिति), छभ्-144। के लिए ब्रेजिंग अनुमति, मंगम-दूधपथरी-शोपियां-पुंछ रोड, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, कालूचक-पुरमंडल-डोमेल रोड, चौथा तवी ब्रिज, जम्मू सहित कई प्रमुख सड़क गलियारों की व्यापक समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सुरंग परियोजनाओं सहित छभ्-44 पर कार्यों में तेजी लाने पर विशेष ज़ोर दिया। उन्होंने पटनीटॉप होते हुए नाशरी-चेनानी सड़क, मारोग-डिगडोल सुरंग, डिगडोल से खुनी नाला सुरंग, मकरकोट से शेरबीबी सुरंग की प्रगति की समीक्षा की। दिसंबर के अंत से पहले बनिहाल से रामबन तक के हिस्से को काली पट्टी से पक्का करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जम्मू के संभागीय आयुक्त को इन कार्यों की बारीकी से निगरानी करने और नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जम्मू और श्रीनगर रिंग रोड परियोजनाओं सहित दोनों महानगरीय रिंग रोड की प्रगति पर भी चर्चा हुई।

समीक्षा में भूमि संबंधी मुद्दों, निर्माण प्रगति और कनेक्टिविटी आवश्यकताओं पर चर्चा की गई। जम्मू में सुरंग के पूरा होने और श्रीनगर रिंग रोड को हवाई अड्डे से जोड़ने तथा सुंबल से वायल तक कनेक्टिविटी पर विस्तृत चर्चा हुई और कार्यान्वयन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

श्रीनगर पुलिस ने...

कि, कश्मीर घाटी के स्वर्ण संघ ने पहले ही पूरे क्षेत्र में स्वर्ण दुक. ानदारों के साथ धोखाधड़ी में उसकी बार-बार संलिप्तता पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। इस संबंध में, लाल बाज़ार पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 303(2) और 318(4) के तहत एफआईआर संख्या 42/2025 दर्ज की गई है।

आगे की जांच के दौरान, विश्वसनीय साक्ष्य सामने आए, जिससे एक सुनार और उसके सहयोगी की संलिप्तता स्थापित हुई, जो जानबूझकर मुख्य आरोपी द्वारा आपूर्ति किए गए चोरी के सोने को प्राप्त करने, परिवहन करने और निपटाने में लगे थे। गिरफ्तार किए गए सहयोगी हैं, शमीम अहमद शेख, पुत्र सोनाउल्लाह शेख, निवासी इकबाल कॉलोनी, इंद्र नगर, जो बोहरी कदल में एक सुनार है, को जानबूझकर कम कीमत पर चोरी के सोने के आभूषण खरीदने और उनके छिपाने और प्रचलन को सुविधाजनक बनाने के लिए गिरफ्तार किया गया है। एक अन्य सहयोगी, बशीर अहमद डार, पुत्र अब्दुल अजीज डार, निवासी नवाकदल को चोरी के सोने के परिवहन और गुप्त रूप से निपटान करने में उसकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया है, जिससे अवैध व्यापार में मदद मिली, यह कहता है।

तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। बयान में कहा गया है कि आगे की जांच जारी है, और मामले की प्रगति के साथ और गिरफ्तारियां और बरामदगी की उम्मीद है।

जिला आयुक्त कठुआ....

बसोहली पंकज भगोत्रा, मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, पूर्व पीआरआई प्रतिनिधिकृपूर्व बीडीसी चेयरमैन, पूर्व सरपंच, पंचकृऔर महनपुर तथा आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जनता ने कई मुद्दे उठाएकृजैसे महनपुर ट्रॉमा सेंटर में स्टाफ की कमी, रेडियोलॉजिस्ट का रिक्त पद, स्कूलों में शिक्षकों की कमी, विद्यालय उन्नयन की मांग, बाढ़ सुरक्षा के लिए क्रेट्स उपलब्ध करवाने, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और राहत/मुआवजे के लंबित मामलों का निपटारा।

उपायुक्त ने सभी शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि ऐसे जन-संपर्क अभियान प्रशासन को दूर-दराज, पहाड़ी और मुश्किल इलाकों की ज़मीनी स्थिति समझने में मदद करते हैं, जिससे समय पर समाधान देना आसान होता है।

चिकित्सा सेवाओं पर, जिला आयुक्त ने आश्वासन दिया कि डॉक्टरों की उपलब्धता रोटेशन (घूम-घूम कर) आधार पर सुनिश्चित की जाएगी। स्कूलों में शिक्षकों की कमी का मामला भी जांचकर आगे बढ़ाया जाएगा। नदेमि घोषित स्कूल भवनों के लिए डीसी ने तुरंत टेंट और अस्थायी राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही चल रहे विकास कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए भी कहा।

मोबाइल नेटवर्क समस्या और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने संबंधित विभागों को तेजी से समाधान करने के निर्देश दिए।

हाल ही की बाढ़ और भारी वर्षा से हुए नुकसान पर डीसी ने बताया कि पूरी और आंशिक क्षति वाले घरों को राहत राशि जारी कर दी गई है। साथ ही आवश्यक सेवाओं की अस्थायी बहाली के लिए भी संबंधित विभागों को धन उपलब्ध कराया गया है।

अंत में, डीसी ने जनता से आग्रह किया कि वे मिशन युवा, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और कृषि व संबद्ध क्षेत्रों की अन्य योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएँ।

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा "वसुधैव कुटुम्बकम" के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि "ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं"। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में "हिंदुत्व" का अर्थ भारतीयता है अर्थात् भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है?

संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, "हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है।" इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मज़हब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं।

इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से "हिंदू" अर्थात् इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में "हिंदू" शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव "सर्वे भवन्तु सुखिनः" और "एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति" जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

नेहा महाजन ने भाजपा महिला मोर्चा की नई पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों और जिला अध्यक्षों की घोषणा की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर भाजपा की महिला मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन ने जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद (राज्यसभा) सत शर्मा (सीए) और महासचिव (संगठन) अशोक कौल के परामर्श से जेकेयूटी भाजपा महिला मोर्चा के नए पदाधिकारियों, कार्यकारी सदस्यों और जिला अध्यक्षों की घोषणा की।

नियुक्त किए गए उपाध्यक्षों में संतोष शर्मा, मधु भगत, सुनीता रेहाना, नीरू आनंद, प्रेरणा नंदा, रुमैसा वाणी और डॉ. फरीदा शामिल हैं। नामित महासचिवों में उर्वशी गुप्ता, पूनम गुप्ता और गीता भगत हैं।

रेखा मन्हास, पूनम गुप्ता, रितु ठाकुर, आरती शर्मा, सोनिया ठाकुर, सुमन रैना और उषा राजपूत सचिव हैं। अनुराधा शर्मा को कोषाध्यक्ष, गीतांजलि महाजन और पूजा सलगोत्रा को कार्यालय सचिव नियुक्त किया गया है। अर्चना कौशल सोशल मीडिया प्रभारी और शाहिना अख्तर को अतिरिक्त सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। मीनाक्षी जामवाल को आईटी प्रभारी और आरती कौल ठाकुर को अतिरिक्त आईटी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मीडिया विंग का नेतृत्व मीडिया सचिव के रूप में शालू गुप्ता और अतिरिक्त मीडिया सचिव के रूप में मुबीना करेंगी। प्रवक्ता पैनल में सुहानी कटोच, रेखा लंगेह, सुषमा शर्मा, चंदा करणी, गुरुमीत कौर और रशीदा मीर शामिल हैं।

नव नियुक्त कार्यकारिणी सदस्यों में अनीता गंडोत्रा, रेखा शर्मा, अंबिका सराफ, रेनू अंडोत्रा, हलीमा, रजनी देवी, अनीता देवी, राधा जसरोटिया, पायल गुप्ता खोसला, डॉ. हिमजा मेंगी, सुषमा शर्मा, इंदु पुरी, शीतल शर्मा, वीना गुप्ता, ज्योति भट्ट, वीना परमार, सुनीता गुप्ता, कुसुम लता, डॉली रैना, डॉ. लवली शर्मा, सुमन लता, रीना गुप्ता, गीतिका मन्हास, शुभ लता, अंजलि गुप्ता और आशु शामिल हैं। जम्वाल.

रजनी शर्मा को अखनूर, काजल राजपूत को बसोहली, अर्पणा कोतवाल को डोडा, अनुराधा शर्मा को जम्मू और रजनी चौधरी को जम्मू बॉर्डर का ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अंजलि चौहान को जम्मू उत्तर और मीतू शर्मा को जम्मू दक्षिण का ज़िला अध्यक्ष बनाया गया है। सुजाता कौल को केडीडी और सुषमा महाजन को कठुआ का ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सरोज बाला को नौशेरा, ज्योति भल्ला को पुंछ और आरती शर्मा को राजौरी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नीलम गुप्ता रामबन के लिए, सुदेश देवी रियासी के लिए और इंदु संब्याल सांबा के लिए अध्यक्ष के रूप में काम करेंगी। निशा महाजन को उधमपुर, जबकि अंजलि चौहान को किश्तवाड़ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कश्मीर क्षेत्र में, सबिया जान को बांदीपोरा, फ़रीदा बेगम को बारामूला और नईमा अख्तर नागू को बडगाम ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

आयशा खान गांदरबल, महबूबा कुलगाम और एडवोकेट मेहना मुश्ताक को कुपवाड़ा ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। माही अरफ़ाना पुलवामा, शकीला शोपियां, सुमेरा मीर श्रीनगर और असमत अल्ताफ़ अनंतनाग ज़िला अध्यक्ष होंगी।

एसएमसी ने कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) ने आज सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) / एसएमएचएस अस्पताल, श्रीनगर के सहयोग से अपने मुख्यालय, करण नगर में एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन एसएमसी के आयुक्त फज लुल हसीब ने किया और इसका उद्देश्य कर्मचारियों के स्वास्थ्य, निवारक देखभाल और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना था। एसएमसी की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. फौजिया हबीब की देखरेख में आयोजित शिविर में निगम के सभी विंगों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों और कुशल पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम ने प्रतिभागियों के लिए विस्तृत परामर्श, जांच और स्वास्थ्य मूल्यांकन किया। आयुक्त ने डॉ. फौज़िया हबीब की उनके अनुकरणीय नेतृत्व और प्रतिबद्धता की सराहना की और उन्हें एक गतिशील और समर्पित अधिक. ारी बताया, जिनके प्रयासों से निगम की जन स्वास्थ्य पहलों को महत्वपूर्ण रूप से बल मिला है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कर्मचारी कल्याण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शहर भर में निवारक स्वास्थ्य सेवा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह के स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखने के एसएमसी के संकल्प की पुष्टि की।

नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में कश्मीर के 35 शिल्पकार भाग लेंगे

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : प्रत्यक्ष विपणन संपर्क प्रदान करने के लिए, कश्मीर के 35 शिल्पकार और बुनकर, प्रतिष्ठित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2025 के 44वें संस्करण में भाग ले रहे हैं। यह मेला 14 से 27 नवंबर तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा।

भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित, आईआईटीएफ देश का सबसे बड़ा और सबसे प्रसिद्ध व्यापार–सह–उपभोक्ता मेला है, जो सालाना लाखों आगंतुकों को आकर्षित करता है। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग, कश्मीर के एक प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू–कश्मीर व्यापार संवर्धन संगठन के अनुरोध पर, कश्मीर संभाग के 35 कारीगरों और बुनकरों की सूची, लॉटरी के माध्यम से, व्यापार मेले में भाग लेने के लिए भेजी गई थी। इनमें श्रीनगर और बडगाम से 5–5, बारामुल्ला, गंदेरबल, अनंतनाग और बांदीपोरा से 3–3, कुपवाड़ा, शोपियां, पुलवामा और कुलगाम से 2–2 और पंजीकृत सहकारी समितियों से 5 कारीगर शामिल हैं।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि नई दिल्ली में आयोजित होने वाला आईआईटीएफ विश्व स्तर पर प्रशंसित कश्मीरी कारीगरों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के लिए अपने उत्कृष्ट हस्तनिर्मित उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करने और बेचने का प्रत्यक्ष विपणन अवसर प्रदान करेगा, जिसमें पश्मीना और कानी शॉल, सोज़नी और क्रूवेल कढ़ाई, हाथ से बुने रेशमी कालीन, अखरोट की लकड़ी की नक्काशी और पेपर माचे उत्पाद शामिल हैं।

प्रवक्ता ने आगे कहा, यह हमारे कारीगरों के लिए खरीदारों से सीधे जुड़ने का एक सुनहरा अवसर है।

सुनील शर्मा का कहना है कि एनसी का खोखला महल ढह रहा है, नगरोटा से बडगाम तक पतन शुरू हो गया है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने आज कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) स्पष्ट रूप से राजनीतिक पतन का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का ष्खोखला महल ढह रहा हैष क्योंकि जम्मू–कश्मीर के लोग इसकी पुरानी राजनीति और खोखले वादों को अस्वीकार कर रहे हैं।

शर्मा ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले ही बडगाम सीट पर एनसी की हार की भविष्यवाणी कर दी थी, और अब जनता का मूड उसी भावना को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उन्होंने कहा, ष्लोग दशकों से एनसी द्वारा किए गए खोखले वादों और भावनात्मक शोषण से तंग आ चुके हैं। एनसी का खोखला महल दिन–ब–दिन ढहता जा रहा है।ष

उन्होंने कहा कि एनसी का पतन शुरू हो चुका है, जिसकी शुरुआत पहले नगरोटा में मिली हार से हुई और अब बडगाम में उसकी हार की बढ़ती निश्चितता से। श्री शर्मा ने आगे कहा, ष्नगरोटा इसका पहला संकेत था। बडगाम इस बात की और पुष्टि करेगा कि लोग एनसी की सुविधा की राजनीति से आगे बढ़ चुके हैं और एक ऐसा नेतृत्व चाहते हैं जो परिणाम दे।ष

विपक्ष के नेता ने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा वास्तविक परिवर्तन, विकास और जवाबदेही का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों की ज़रूरतों को पूरा करने या उन्हें विक. सित करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जनता छल–कपट की पुरानी राजनीति को नकारते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांति, प्रगति और सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के साथ जुड़ रही है।

शर्मा ने नगरोटा की जनता का भाजपा को विश्वास और भरोसे के साथ चुनने के लिए धन्यवाद किया और बडगाम की जनता का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस की खोखले वादों और दोहरे मानदंडों वाली राजनीति को निर्णायक रूप से नकार दिया। उन्होंने दोहराया कि भाजपा जम्मू–कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करती रहेगी।

रेखा मेहाजन ने पुरमंडल में संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता की, बूथ-स्तरीय नेटवर्क को मज़बूत करने का आह्वान किया

सबका जम्मू कश्मीर

सांबाः भाजपा जम्मू–कश्मीर उपाध्यक्ष और प्रभारी सांबा रेखा महाजन ने आज सांबा ज़िले के मंडल पुरमंडल में एक संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में भाजपा के प्रदेश सचिव अरुण कुमार शर्मा भी मौजूद थे। यह बैठक पार्टी के चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा, ज़मीनी स्तर पर समन्वय को मज़बूत करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों से पहले बूथ–स्तरीय संपर्क बढ़ाने के लिए बुलाई गई थी।

बैठक में मंडल अध्यक्ष नरिंदर सिंह, सरपंच अनिल शर्मा, शिव दीप, गंगा राम, सुभाष चंद्र, अंकुश शर्मा और सुनील शर्मा के साथ–साथ कई अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए, रेखा महाजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को साकार करने में संगठनात्मक अनुशासन और सामूहिक प्रयास के महत्व पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा, ष्हर बूथ हमारी पार्टी की मज़बूती की नींव है। हर घर तक पहुँचना, मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाना और यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है कि विकास का लाभ कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।ष

उन्होंने पुरमंडल टीम के समर्पण की सराहना की और उन्हें ज़मीनी स्तर पर अपनी पहुँच जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

रेखा महाजन ने महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए लागू की जा रही विभिन्न केंद्रीय योजनाओं पर प्रकाश डाला और कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, ष्हमारा उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि सेवा, जवाब. देही और प्रतिबद्धता के माध्यम से लोगों का दिल जीतना है।ष

राज्य सचिव अरुण कुमार शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए मंडल टीम के प्रयासों की सराहना की और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच एकता, समन्वय और निरंतर संवाद पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, भाजपा की ताकत उसके बूथ–स्तरीय कार्यकर्ताओं में निहित है। प्रत्येक कार्यकर्ता को सरकार और जनता के बीच एक सेतु का काम करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पार्टी का संदेश और उपलब्धियाँ प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचें।ष

बैठक का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा पुरमंडल क्षेत्र में भाजपा के संगठनात्मक विकास के लिए नई ऊर्जा और समर्पण के साथ काम करने की शपथ के साथ हुआ, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकार की प्रत्येक विकासात्मक पहल लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कांग्रेस–मुक्त भारत, मोदी–युक्त भारत : एनडीए के प्रचंड जनादेश पर गौरव

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा जम्मू–कश्मीर के प्रवक्ता गौरव गुप्ता ने कहा कि बिहार और नगरोटा में मिली जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वसनीयता और लोगों से जुड़ाव से प्रेरित होकर ष्कांग्रेस मुक्त भारत की ओर राष्ट्रव्यापी मार्चष को दर्शाती है।

गौरव गुप्ता ने कहा, ष्यह चुनाव साबित करता है कि भारत मोदी की ईमानदारी में विश्वास करता है और कांग्रेस के पाखंड को नकारता है। भारत मोदी के नेतृत्व, दूरदर्शिता और ईमानदारी पर भरोसा करता है। हम कांग्रेस–मुक्त भारत और मोदी–युक्त भारत की ओर बढ़ रहे हैं।ष

गुप्ता ने कहा कि दोनों राज्यों में मिला जनादेश ष्केवल चुनावी अंकगणित नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक राजनीतिक संदेश हैष, उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाताओं ने कांग्रेस के ष्मनगढ़ंत आरोपों, नकारात्मकता और विश्वसनीयता के संकटष को खारिज कर दिया है, और इसके बजाय मोदी के नेतृत्व में अपने विश्वास की पुष्टि की है।

गौरव ने कहा, षबिहार में एनडीए को मिली भारी जीत और नगरोटा उपचुनाव में भाजपा की निर्णायक जीत ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेजोड़ राजनीतिक प्रभुत्व को रेखांकित किया है।ष

गुप्ता ने कहा कि यह जनादेश कांग्रेस पार्टी के ष्मनगढ़ंत आरोपों और विश्वसनीयता की कमीष का ष्प्रत्यक्ष खंडनष है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह परिणाम इस बात की पुष्टि करते हैं कि मोदी का नेतृत्व राष्ट्रीय राजनीति में सबसे विश्वसनीय ताकत बना हुआ है।

गुप्ता ने कहा, ष्जनता ने फिर ज़ोरदार आवाज़ उठाई है।

कांग्रेस और राहुल गांधी के महीनों के झूठे आरोपों और नकारात्मकता के बावजूद, देश ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी पर अपना पूरा भरोसा जताया है। उनका जादू अजेय है, उनका जनादेश अटल है।ष

बिहार में एनडीए द्वारा ऐतिहासिक 200 सीटों का आंकड़ा पार करने के बाद, जो राज्य के चुनावी इतिहास में सबसे बड़े जनादेशों में से एक है, गुप्ता ने कहा कि यह जीत मोदी के विकास–संचालित शासन मॉडल में षविश्वास की लहरष को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, ष्जब कोई गठबंधन 243 सदस्यों वाली विधानसभा में 200 का आंकड़ा पार कर जाता है, तो यह सिर्फ़ एक चुनावी नतीजा नहीं रह जाता।

यह एक जन आंदोलन है, मोदी के विकसित भारत के विज़न का व्यापक समर्थन है।

जम्मू–कश्मीर का ज़िक्र करते हुए, गुप्ता ने कहा कि नगरोटा में भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा की शानदार जीत यह दर्शाती है कि मोदी का संदेश ष्हर राजनीतिक बाधा – भूगोल, जाति, समुदाय और दुष्प्रचार – को भेद देता है।ष उन्होंने विपक्ष, खासकर नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके गठबंधन पर ष्संपर्क से बाहर, विच. ारों से बाहर और विश्वसनीयता से बाहरष होने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, ष्नेशनल कॉन्फ्रेंस नगरोटा में सिर्फ़ भाषणों के साथ आई थी – न कोई काम, न कोई रोडमैप, न कोई नतीजा।ष उन्होंने आगे कहा, ष्लोगों ने इसकी तुलना मोदी के मॉडल – नई सड़कों, नई नौकरियों और नए बुनियादी ढाँचे से की। चुनाव साफ़ था।ष

गुप्ता ने कहा कि लगातार आए फैसले एक "राजनीतिक अनुस्मारक" हैं कि मतदाता लगातार प्रदर्शन और स्थिरता को पुरस्कृत करते हैं, न कि "खोखले आरोपों और पुरानी राजनीति" को।

उन्होंने कहा, षबिहार के चुनावी मैदान से लेकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नगरोटा तक, मतदाताओं की धड़कन एक ही है, मोदी के लिए धड़कती है। वह अपने वादे पूरे करते हैं। वह अपनी प्रतिबद्धताओं पर अडिग रहते हैं। वह देश को सर्वोपरि रखते हैं।ष

नतीजों को षविश्वसनीयता पर जनमत संग्रहष बताते हुए गुप्ता ने कहा कि विपक्ष का तर्क अपने ही बोझ तले ढह गया है। उन्होंने कहा, ष्आज का जनादेश एक बात साबित करता है।ष उन्होंने आगे कहा, ष्मोदी सिर्फ़ चुनाव नहीं जीतते, वे विश्वास जीतते हैं और यह विश्वास किसी भी नेता को मिलने वाला सबसे शक्तिशाली जनादेश होता है।

भाजपा ने नगरोटा सीट बरकरार रखी, पीडीपी ने बड़गाम विधानसभा उपचुनाव जीता

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र पर अपना कब्जा बरकरार रखा है, जहां उसकी 30 वर्षीय उम्मीदवार देवयानी राणा ने 24,647 मतों की बढ़त के साथ जीत हासिल की है। इस तरह उन्होंने अपने दिवंगत पिता और वरिष्ठ पार्टी नेता देवेंद्र सिंह राणा की विरासत को आगे बढ़ाया है।

शुरू से ही बढ़त बनाए हुए देवयानी राणा ने 42,350 वोट हासिल कर जम्मू–कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (जेकेएनपीपी) के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह को हराया, जिन्हें 17,703 वोट मिले। नेशनल कॉन्फ्रेंस की शमीम बेगम 10,872 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। जैसे ही उनकी जीत की खबर फैली, मतगणना केंद्र परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राणा का जोरदार स्वागत किया।

केंद्र पहुंचने पर मालाओं से लादकर स्वागत की गईं राणा ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य पार्टी नेताओं को उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद देती हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मेरी जीत का श्रेय उन सभी मतदाताओं को जाता है जिन्होंने मेरे पक्ष में वोट दिया और पार्टी नेतृत्व को भी, जिन्होंने मुझमें विश्वास दिखाया।

उपचुनाव के नतीजों पर उन्होंने कहा, ष्हमें जो गर्मजोशी से स्वागत मिला, उसके लिए हम तहे दिल से आभारी हैं। जिस तरह नगरोटा के हर घर और परिवार ने 2024 में राणा साहब को आशीर्वाद दिया था, आज भी लोगों ने हमें उसी प्यार और समर्थन के साथ अपना आशीर्वाद दिया है। हम इस जीत को राणा साहब को सम्मान के रूप में समर्पित करते हैं। हम उनकी तरह ही लोगों की सेवा करना चाहते हैं।ष

कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक, देवयानी राणा अपने परिवार के मीडिया और ऑटोमोबाइल व्यवसाय का प्रबंधन करती हैं। उन्होंने कहा कि उनका इरादा भाजपा के सेवा और निष्ठा के सिद्धांतों को कायम रखते हुए राजनीति में एक ष्नया, पेशेवर दृष्टिकोणष लाने का है।

सरूरी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जिला प्रशासन और गैर सरकारी संगठनों से तत्काल सहायता प्रदान करने की

सबका जम्मू कश्मीर

केशवान (किश्तवाड़) : पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. एम. सरूरी के नेतृत्व में एक कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल आज केशवान पहुँचा और एक ऐसे परिवार से मिला जिसका दो–तीन मंजिला मकान भीषण आग में पूरी तरह नष्ट हो गया। सरूरी ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और प्रशासन तथा सरकारी निकायों से तत्काल राहत प्रदान करने का आग्रह किया।

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. एम. सरूरी ने आज एक कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ जमना के पास, बलना पंचायत (केशवान के वार्ड संख्या 3) के बलना गाँव का दौरा किया, जहाँ अब्दुल मजीद के बेटे सज्जाद हुसैन का घर भीषण आग की घटना में जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों की अभी जाँच होनी बाकी है, लेकिन पूरा बहुमंजिला आवासीय भवन पूरी तरह जलकर खाक हो गया, जिससे परिवार बेघर हो गया।

प्रभावित परिवार से बातचीत करते हुए, सरूरी ने दो मंजिला मकान के जले हुए अवशेषों का निरीक्षण किया और व्यक्तिगत रूप से उन्हें हुए व्यापक नुकसान का आकलन किया। उन्होंने पीड़ितों द्वारा वर्तमान में झेली जा रही कठिनाइयों, खासकर सर्दियों के चरम पर, पर गहरी सहानुभूति और चिंता व्यक्त की।

सरूरी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जिला विकास आयुक्त से परिवार को तत्काल वित्तीय और भौतिक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

उन्होंने प्रशासन से पीड़ितों के लिए त्वरित राहत, पर्याप्त मुआवज़ा और पुनर्वास सुनिश्चित करने की अपील की ताकि उन्हें कठोर मौसम के दौरान खुले में रहने के लिए मजबूर न होना पड़े। उन्होंने गैर–सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी समूहों से भी संकट की इस घड़ी में आगे आकर परिवार का समर्थन करने का आह्वान किया।

और इस बात पर ज़ोर दिया कि सर्दियों में बिना आश्रय के रहना बेहद मुश्किल है और इससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम पैदा होते हैं। सरूरी ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से सहायता प्रदान करने की भी अपील की।

अपने दौरे के दौरान, सरूरी ने पीड़ितों को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी क्षतिग्रस्त मकान के पुनर्निर्माण के लिए हर संभव सहायता के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करेगी। उन्होंने मौके पर राहत सामग्री भी प्रदान की और परिवार को उनके घर के पुनर्निर्माण में व्यक्तिगत रूप से मदद करने की प्रतिबद्धता जताई।

एक और गंभीर चिंता जताते हुए, सरूरी ने शेखपुरा की भयावह स्थिति पर प्रकाश डाला, जहाँ बिजली विभाग के खंभे पेड़ों पर लगे हैं, जिससे शॉर्ट सर्किट और आग लगने का लगातार खतरा बना रहता है। उन्होंने विद्युत विकास विभाग से आग्रह किया कि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इन अस्थायी खंभों को तुरंत उचित बिजली के खंभों से बदला जाए।

विकास में विश्वास रखने वाले हर बिहारी की जीत है : अमित शाह

सबका जम्मू कश्मीर

बिहार चुनाव के नतीजों को "हर बिहारी की जीत " करार देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि राजग को मिला भारी जनादेश विकास, महिला सुरक्षा और गरीबों के कल्याण के लिए उसके कार्यों पर जनता की मुहर है।

हिंदी में एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में, शाह ने कहा कि बिहार के लोगों ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण आवश्यक है, और इसके खिलाफ राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है।

बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से एनडीए ने कम से कम 97 सीटों पर जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के अनुसार, भाजपा ने 55 सीटें जीती हैं और 35 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है, जबकि उसकी सहयोगी जदयू ने 33 सीटें हासिल की हैं और 51 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है।

दूसरी ओर, विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक ने अब तक केवल 11 सीटें जीती हैं।

राजद ने आठ सीटें जीती हैं और 17 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है, जबकि कांग्रेस ने एक सीट जीती है और पाँच पर आगे है। भाकपा (माले) लिबरेशन ने एक सीट जीती है और एक अन्य निर्वाचन क्षेत्र में आगे चल रही है। माकपा ने भी एक सीट जीती है।

शाह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए पूरे मन से काम किया है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य को श्जंगल राजश के अंधेरे से बाहर निकालने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, ष्ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र के रक्षक, बिहार भूमि के लोगों को हार्दिक सलाम।

अख़्तरी से अवधी तक : मालिनी अवस्थी की सुर-यात्रा और यतीन्द्र मिश्र का संगीत-लेखनकृसाहित्य आज तक 2025 का अद्वितीय संगम

रविंद्र आर्य

नई दिल्ली : मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, इंडिया गेट में आयोजित साहित्य आज तक 2025 इस वर्ष भारतीय संगीत और साहित्य के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय बन गया।

मुख्य मंच पर लोक–संगीत की प्रखर प्रतिनिधि मालिनी अवस्थी और संगीत–जीवनी लेखन के सूक्ष्म अध्येता यतीन्द्र मिश्र का ऐसा संगम हुआ, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय संगीत केवल कला नहींकृबल्कि मिट्टी, इतिहास, संघर्ष और आत्मा का अनंत प्रवाह है।

21, 22 और 23 नवंबर को चले तीन दिवसीय महोत्सव में लोकधुनों से लेकर ग़ज़ल, ठुमरी, दादरा और अवधी–पूर्वांचली परंपरा तक कई सुर–कहानियाँ गूँजती रहीं। यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय संगीत की जड़ों और उसकी परंपराओं को नए संदर्भ में समझने की अनूठी यात्रा थी।

'बेग़म अख़्तर की विरासतकृमालिनी अवस्थी और यतीन्द्र मिश्र की विशेष प्रस्तुति'

21 नवंबर की शाम 5 बजे सत्र "अख़्तरीरू उफ़ ये फ़साना कृ बेग़म अख़्तर की संगीत यात्रा" महोत्सव का सबसे भावपूर्ण और शोधपूर्ण प्रस्तुति–संग्रह बन गया।

मालिनी अवस्थी की गायकीकृअख़्तरी की आत्मा का पुनर्जीवन

मालिनी अवस्थी ने ग़ज़ल, दादरा और ठुमरी की नजाकत को अपने स्वर–संपुट में समेटते हुए बेग़म अख़्तर की आत्मा जैसे मंच पर उतार दी।

उनकी प्रस्तुति ने यह दिखाया कि जब लोक–संगीत और शास्त्रीय भाव मिलते हैं, तो परंपरा एक जीवित धरोहर बन जाती है।

'यतीन्द्र मिश्र का संगीत–विश्लेषणकृअख़्तरी का पूरा रचनात्मक जगत जीवंत हुआ'

संगीत–आलोचना और जीवनी लेखन के लिए

प्रसिद्ध यतीन्द्र मिश्र ने इस सत्र में बेग़म अख़्तर के रचनात्मक संसार को विस्तृत रूप में सामने रखा।

उन्होंने बेग़म अख़्तर के विभिन्न आयाम दर्शकों के सामने सरल भाषा में खोलेकृ

६ 'रोटी' फ़िल्म और अख़्तरी का सिनेमाई अध्याय

यतीन्द्र मिश्र ने बताया कि बेग़म अख़्तर केवल मंचीय कलाकार ही नहीं, बल्कि हिंदी सिनेमा की प्रारंभिक धारा में भी एक सशक्त उपस्थिति थीं।

'रोटी' फ़िल्म (1942) में उनका संगीत योगदान उस दौर में ग़ज़ल और ठुमरी को नए जनमानस तक पहुँचाने का महत्त्वपूर्ण माध्यम बना।

६ दादरा, बोल–बनाओ और बँगला–ठुमरी की अनोखी शैली

उन्होंने समझाया कि बेग़म अख़्तर की दादरा शैलीकृउसकी नज़ाकत, ठहराव और 'बोल–बनाओ' की कलाकृउन्हें असाधारण बनाती है।

'बोल बनाओ' में शब्दों को गीत के भावों के अनुसार सँवारने की क्षमताकृबेग़म अख़्तर को अद्वितीय बनाती है।

'भोरे ही भोरे'कृएक उदाहरण के रूप में

सत्र के दौरान यतीन्द्र मिश्र ने 'भोरे ही भोरे' जैसी रचनाओं का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे अख़्तरी बाई ने सुबह के राग, दादरा और भावपक्ष को अपनी अद्वितीय शैली से एक नई ऊँचाई दी।

यह गीत न केवल संगीत–प्रेमियों का प्रिय है, बल्कि शास्त्रीय परंपरा के भीतर उनकी समझ और साधना को भी प्रमाणित करता है।

६ बेग़म अख़्तररू दर्द, तहज़ीब और गायकी का त्रिकोण

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अख़्तरी बाई फ़ैजाबादी की गायकी केवल संगीत नहीं, बल्कि उनके जीवन–संघर्ष, सामाजिक स्थितियों और भीतर की तपस्या का संयोजन हैकृयही उन्हें 'मल्लिका–ए–ग़ज़ल' बनाता है।

'लोक–संगीत और शास्त्रीयताकृदो धाराएँ, एक ही सांस्कृतिक नदी'

जहाँ मालिनी अवस्थी लोकधुनों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाती हैं, वहीं यतीन्द्र मिश्र संगीत की गहन परंपरा को शब्दों में इतिहासबद्ध करते हैं।

दोनों की एक साथ उपस्थिति ने दर्शाया कि लोक–संगीत और शास्त्रीय संगीत विरोधी ध्रुव नहींकृबल्कि भारतीय संस्कारों की दो प्रवहमान धाराएँ हैं, जिनका प्रवाह एक ही सांस्कृतिक समुद्र में मिलता है।

'साहित्य आज तक 2025कृविरासत और आधुनि. कता का उत्सव'

"राजजोग बाघा" द्वारा प्रस्तुत यह वार्षिक आयोजन इस बार संगीत–शोधकर्ताओं, युवा कलाकारों और परंपरा–प्रेमियों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण साबित हुआ।

तीन दिनों के इस महोत्सव ने यह फिर सिद्ध किया कि साहित्य और संगीत वह जीवित स्मृति हैं, जो समाज की आत्मा को दिशा देती हैं।

रविंद्र आर्य
(विश्लेषणात्मक पत्रकार, लेखक और भारतीय लोक–संस्कृति के संवाहक)

शतरंज विश्व कपः अर्जुन और अरोनियन ने कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेला

मुंबई : शतरंज की शांत दुनिया में, अर्जुन एरिगैसी एक ताज़ी हवा के झोंके की तरह हैं। उच्चतम स्तर पर, जहाँ हर हार म्स्ट रेटिंग्स को भारी नुकसान पहुँचा सकती है, वह भारतीय सितारों की नई पीढ़ी में सबसे ज़्यादा भावपूर्ण खिलाड़ी हैं। इस हद तक भावपूर्ण कि कभी–कभी, उनकी भावनाओं की एक लगभग अदृश्य झलक भी नज़र आती है।

शुक्रवार को, उन्होंने कुछ और ही किया।

वह गोवा में आयोजन स्थल के भव्य हॉल में बैठे, शतरंज की बिसात के 64 खानों में अपनी अगली चाल ढूँढ़ रहे थे। शतरंज विश्व कप में लेवोन अरोनियन के खिलाफ अपने पाँचवें दौर के मैच के पहले दिन सफ़ेद मोहरों से जीत की उम्मीद में, वह थोड़ी–सी भी संभावना तलाश रहे थे।

आखिरकार, उन्होंने अपनी आँखें मलीं और एक हताश आह भरी। उनके चेहरे पर निराशा का कोई ठिकाना नहीं था। कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। खेल ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

शनिवार को, अरोनियन के पास सफ़ेद मोहरे होंगे और उन्हें शुरुआत में खेल का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा।

टूर्नामेंट में बचे एकमात्र अन्य भारतीय, हरिकृष्ण पेंटाला, जो काले मोहरों से खेल

रहे थे, ने भी मैक्सिकन ग्रैंडमास्टर जोस एडुआर्डो मार्टिनेज अल्कांतारा के खिलाफ अपना खेल ड्रॉ किया।

लेकिन सभी की निगाहें एरिगैसी–अरो. नियन मुकाबले पर टिकी थीं।

टूर्नामेंट में इससे पहले, चेसबेस इंडिया के साथ कमेंट्री के दौरान, दुनिया के पाँचवें नंबर के खिलाड़ी अनीश गिरी ने कहा था: "अर्जुन उबाऊ नहीं खेल सकते।"

दूसरे शब्दों में, भारत के नंबर एक खिलाड़ी को ड्रॉ पसंद नहीं है। वह जीत के लिए बेतहाशा प्रयास करते हैं और यही उन्हें इतना देखने लायक खिलाड़ी बनाता है।

हालाँकि, यह खेल शैली ज़रूरत के हिसाब से गढ़ी गई थी। 2023–24 सीज़न के दौरान, जब उनके युवा साथी आर प्रज्ञानंदधा और डी गुकेश हाई–प्रोफाइल प्रतियोगिताओं के लिए आमंत्रण प्राप्त कर रहे थे, एरिगैसी के विकल्प सीमित थे। उन्हें बदलने की ज़रूरत थी, उन्हें आगे बढ़ने की ज़रूरत थी और यही बिना किसी डर के खेलने का एकमात्र तरीका था।

इसी सोच के साथ, वह अरोनियन के खिलाफ मैच में उतरे। लेकिन यह मुक. ाबला अपने–अपने करियर के अलग–अलग पड़ावों पर खड़े दो खिलाड़ियों के बीच था; दो बेहद अलग शैली के खिलाड़ियों के बीच।

तेलंगाना के वारंगल के 22 वर्षीय एरिगैसी, द कैंडिडेट्स में जगह बनाने की कोशिश में हैं, एक ऐसा टूर्नामेंट जहाँ विजेता को विश्व चैंपियनशिप के ताज के लिए चुनौती पेश करने का मौका मिलता है। पिछले साल, वह इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए थे, और इससे वह टूट गए थे।

उन्हें उस झटके से उबरने में थोड़ा समय लगा, लेकिन 20 दिन के ब्रेक के बाद जब वह फिर से खेलने लगे, तो उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और विश्व रैंकिंग में शीर्ष 5 में जगह बना ली। अब, वह विश्व कप में वापस आ गए हैं और फिर से कैंडिडेट्स में जगह बनाने की को. शिश में हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी, 43 वर्षीय अरोनियन, पूर्व विश्व नंबर 2 खिलाड़ी हैं, दो बार विश्व कप जीत चुके हैं और बहुत अच्छी फॉर्म में हैं।

आर्मेनिया में जन्मे यह अमेरिकी खिलाड़ी बिना किसी उम्मीद के गोवा आए हैं और इस तरह के रवैये से मिलने वाली आज़ादी के साथ खेल रहे हैं।

और मैच से पहले, उन्होंने चेसबेस इंडिया को बताया कि वह "अर्जुन के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।"

इन सब बातों ने शुक्रवार को एक दिलचस्प मुकाबला बना दिया।

एरीगैसी ने, जैसी कि उम्मीद थी, सफ़ेद मोहरों का इस्तेमाल करते हुए आक्रामक शतरंज खेला और अरोनियन को घेरने की पूरी कोशिश की।

उनके मैच की 30वीं चाल खास तौर पर निर्णायक थी। एरिगैसी ने अपने हाथी को 5 से ी5 पर घुमाया, जिससे काले बादशाह को शह मिल गई।

अरोनियन ने लगभग 30 मिनट बोर्ड का विश्लेषण किया। कंप्यूटरों ने हमें बताया कि वह केवल एक ही चाल चल सकता था, इसके अलावा कोई भी चाल अर्जुन को काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती थी।

और वह उसे ढूँढ़ने में कामयाब रहा, उसने अपने बादशाह को बोर्ड पर ी8 से ह7 पर तिरछा घुमाया।

बाद में, 39वीं और 40वीं चालों में भी, अरोनियन फिर से एक कोने में फँस गया, लेकिन उसने एक अनुभवी खिलाड़ी की पूरी रणनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया। एरिगैसी ने उस पर जो भी दांव लगाया, उसके बावजूद अमेरिकी खिलाड़ी ने बचने का रास्ता ढूँढ़ने की दूरदर्शिता दिखाई।

आखिरकार, 41 चालों के बाद जब ड्रॉ घोषित हुआ, तो दोनों खिलाड़ी टेबल पर बैठे और कुछ मिनटों तक एक–दूसरे के साथ अपने विचार साझा करते रहे। यह असामान्य नहीं है, लेकिन शनिवार को उन्हें यह सब फिर से करने का मौका मिलेगा।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

इस बार वे राजा राममोहन राय के लिए आये !'

बादल सरोज

जैसा भी समय हो, कैसा भी माहौल हो, कुनबा पूरी तल्लीनता के साथ अपना आख्यान बढ़ाने के काम में एकदम बगुला भाव से लगा रहता है। दिल्ली में बम धमाके हो रहे हैं, बिहार में चुनाव के बाद की खटपट चल रही है, दुनिया भर में देश की साख पर बट्टा लग रहा है, मगर भाई लोग देश के इतिहास में प्रकाश लाने वाले रोशनदानों, समाज को बेहतर और जीने योग्य बनाने वाले दरवाजों को मूंदने बंद करने के 'पुण्य कार्य' में लगे रहते हैं। मप्र के शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा आधुनिक भारत के प्रमुख व्यक्तियों में से एक राजा राममोहन राय के बारे में की गयी टिप्पणी इसी बगुला भगती की निरंतरता में है। भाजपा के इस नेता ने उन्हें 'अंग्रेजो का दलाल' बताते हुए कहा कि 'पश्चिम बंगाल में अंग्रेजी शिक्षा के माध्यम से लोगों की आस्था बदलने का औपनिवेशिक अभियान चलाया गया, जिसमे अंग्रेजों ने देश के कई लोगों को समाज सुधारक बनाकर पेश किया, जिनमें राजा राममोहन राय भी शामिल थे। वे कोई सुधारक नहीं थे, ष्अंग्रेजों के दलालष के रूप में काम करने वाले थे'। उन्होंने यह भी कहा कि 'राजा राम मोहन राय ने देश को जातियों में बांटने का कार्य किया।'

इन्दर सिंह कुनबे में नई आमद नहीं है, पुराने संघी हैं, मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री हैं, इसलिए उन्हें हाशिये का बन्दा फ्रिंज एलिमेंट' बताकर पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। उनके इस बेहूदा और आपराधिक बयान पर जब देश भर में तीखी प्रतिक्रिया हुई, तो इस मंत्री ने, कुनबे का आजमाया हुआ हुनर दिखाते हुए अपने कहे पर अफ़सोस जता दिया और 'व्यक्तिगत रूप से राज राममोहन राय का सम्मान करने' का दावा भी ठोंक दिया।

बयान वापसी का ड्रामा आँखों में धूल झोंकना है। कंकर फेंककर उठने वाली लहरों का अनुमान लगाना और धीरे–धीरे लोगों को उसका अभ्यस्त बना देना आरएसएस और भाजपा की आजमाई हुई विधा है। पहले बोल कर वातावरण बनाना, फिर वापसी का नाटक करना और उसे धीरे–धीरे अपनी आई टी सैल के जरिये उसे फैलाते रहना इनकी नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा है।

राममोहन राय पर यह हमला कुनबे की विचारधारा की संगति में हैं। मंत्री अपने मन से नहीं बोल रहे थे दृ वे संघ के अभ्यास वर्गों में पढ़ाये गए कुपाठ को दोहरा रहे थे। गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर ने जिन्हें "भारतीय इतिहास के आकाश में चमकता सितारा" बताया था, अंधेरों के पुजारियों का ऐसे सितारे से डरना और चिढ़ना कोई अचरज की बात नहीं है। कुनबा कितना भी कुपढ़ और जाहिल क्यों न हो, वह अपने नापाक मंसूबों के रास्ते में अवरोध बनकर खड़े व्यक्तित्वों को जानता है, इसीलिए उन्हें निशाने पर लेता रहता है।

इस बार वे राममोहन राय के लिए आये हैं। पांच साल पहले उन्होंने विवेकाननद के रामकृष्ण आश्रम और उसकी परम्परा पर हमला बोला था, छः साल पहले उन्होंने खुद अमित शाह की अगुआई में निकली यात्रा के दौरान ईश्वरचन्द्र विद्यासागर कॉलेज पर धावा बोलकर उनकी मूर्ति तोड़ी थी, डॉ. अम्बेडकर की मूर्तियाँ गिराने का लगातार जारी अभियान अब उन्हें इतिहास से पूरी तरह मिटाने की यलगार में बदलता जा रहा है। भीमा कोरेगांव जिस असहनीय सामाजिक प्रणाली दृ पेशवाशाही दृ को पराजित करने का स्मारक है, उसे मिटा नहीं पा रहे, तो उस तक प्रवेश को प्रतिबंधित कर उसका इतिहास बदल रहे है ।

स्वतन्त्रता संग्राम के प्रतीकों के बारे में झूठ और अफवाहें फैलाकर उनके राजनीतिक–सामाजिक प्रभाव को कम करना इस गिरोह का 24□7 का काम है ही। जिन्हें हड़प सकते हैं, उन दयानन्द सरस्वती और गोरखनाथ जैसों का धृतराष्ट्र आलिंगन कर पहले ही हजम कर चुके है। कुल जमा ये कि सनातन की गहरी बंद गुफा में देश को एक बार फिर धकेल देने की राह में इतिहास की जो भी सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक, दार्शनिक, राजनीतिक परम्परा असुविधाजनक लगेगी, उसे ठिकाने लगाया जाएगा।

राजा राममोहन राय भारत के नवजागरण दृ रेने. साँ – आन्दोलन के पितामह माने जाते हैं। उनका योगदान उनके निजी योगदान के साथ–साथ उनके द्वारा शुरू की गयी बौद्धिक परम्परा के साथ–साथ भारतीय समाज को अन्धकार से निकालने वाले अनगिनत आन्दोलनों और उसे जारी रखने वाले महान व्यक्तित्वों के रूप में भी दिखा। इनमें प्रत्यक्ष प्रभाव वाले देवेन्द्र नाथ टैगोर, केशव चन्द्र सेन, पंडित शिवनाथ शास्त्री से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर तथा प्रत्यावर्तित प्रभाव से प्रेरित ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, विवेकानंद, जोतिबा फुले, महादेव गोविन्द रानाडे से सर सैय्यद अहमद खान तक शामिल हैं। इनके द्वारा स्थापित किये गए संस्थान भारत के आधुनिकीकरण के औजार और प्रकाश स्तंभ बने।

19वी शताब्दी में शुरू हुआ यह भारतीय नवजागरण आंदोलन था, जिसने सदियों से चली आ रही रूढ़िवादी परंपराओं को चुनौती दी थी। आधु. निक भारत के निर्माण के रास्ते में बाधा बनी सामा. जिक–धार्मिक दिमागी बेड़ियों पर निर्णायक प्रहार किये। इस सबके मिले–जुले असर के चलते भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए बौद्धिक और सामाजिक आधार तैयार हुआ। ठीक यही वजह है कि आरएसएस को इन सबसे डर लगता है। उसमें भी खासकर राजा राममोहन राय उन्हें बहुत डराते हैं।

राजा राम मोहन राय अपने समय के उन गिने–चुने लोगों में से एक थे, जिन्होंने आधुनिक युग के महत्व को पूरी तरह से समझा। वे जानते थे कि मानव सभ्यता का आदर्श व्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और परस्पर निर्भरता के भाईचारे में निहित है। उनका मानना था कि मानव समाज के विकास में जो भी नकारात्मक और हानिकारक है, उसे खत्म किया जाना चाहिए। जो भी मानवीय और सकारात्मक है, उसे आगे लाना चाहिए । वे भारतीय समाज का कलंक रही जघन्य सती प्रथा के उन्मूलन के कठिन संघर्ष को जीत तक पहुंचाने और उसे प्रतिबंधित करवाने वाला कानून बनवाने वाले के रूप में विख्यात है रू यह बहुत बड़ा काम था, किन्तु राजा राममोहन राय सिर्फ यहीं तक महदूद नहीं है। उन्होंने सती प्रथा जैसी कुप्रथाएँ जिस कचरे से उपजती और पोषण पाती है, उसकी भी सफाई की। मूर्तिपूजा, कर्मकांडों, पुरोहितवाद और स्त्री की गौण सामाजिक स्थिति पर प्रहार किये। बहुदेववाद का विरोध किया तथा एकेश्वरवाद की वकालत की।

धार्मिक क्षेत्र में उनके द्वारा जिन सुधारों का सूत्रपात किया गया, उनने भी समाज की चेतना को आगे ले जाने में बड़ी भूमिका निबाही। इसके लिए उन्होंने ब्रह्म सभा दृ जो बाद में ब्रह्म समाज के रूप में जाना गया दृ की स्थापना की। यह पुरोहिताई, कर्मकांडों और बलि प्रथा के विरुद्ध और प्रार्थना, ध्यान और धर्मग्रंथों के पठन पर केंद्रित था। यह सभी धर्मों की एकता में विश्वास करता था। यह आधुनिक भारत का पहला बौद्धिक सुधार आंदोलन था। इसने बंगाल को ही जजीरों से मुक्त नहीं किया, भारत में बुद्धिवाद, तार्किकता और ज्ञानोदय का भी आरम्भ किया, जिसने, जैसा कि लिखा जा चुका है, स्वतन्त्रता संग्राम का आधार और माहौल बनाने में योगदान दिया।

भाजपा के नेता जिन राजा राममोहन राय को देश में जातिप्रथा को फैलाने वाला बता रहे थे, वे इसके ठीक उलट जाति व्यवस्था और उस पर टिकी छुआछूत और अंधविश्वास के विरुद्ध अभियान छेड़ने वाले नायकों में से एक हैं। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर से भी बहुत पहले कुरीतियों और अंधविश्वासों, जाति चेतना और कर्मकांडों की वजह महिलाओं की सामा. जिक–आर्थिक गुलामी और शिक्षा से उन्हें अलग रखे जाने में ढूंढ ली थी और बाल विवाह, महिलाओं की निरक्षरता, पर्दा प्रथा और विधवाओं की दयनीय स्थिति पर प्रहार किया। महिला मुक्ति, महिला शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह का काम अपने एजेंडे पर लिया। महिलाओं के लिए उत्तराधिकार और संपत्ति के अधिकार की मांग की।

यह सब काम उन्होंने सिर्फ विचार के स्तर तक ही सीमित नहीं रखा, व्यवहार में भी उतारा रू सिर्फ बताया नहीं, करके भी दिखाया । उन्होंने मूर्तिपूजा, जाति श्रेणीक्रम की कठोरता, पोंगापंथी अनुष्ठानों और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाने के लिए कलकत्ता में आत्मीय सभा की स्थापना की। उन्होंने ईसाई धर्म के कर्मकांड की भी आलोचना की और ईसा मसीह को ईश्वर का अवतार मानने से इनकार कर दिया। न्यू टेस्टामेंट के नैतिक और दार्शनिक संदेश, जिसकी उन्होंने प्रशंसा की, मगर उसकी चमत्कारिक कहानियों से अलग भी किया।

डॉ. राधाकृष्णन के किसी और सन्दर्भ में कहे गए वाक्य में कहें तो, राजा राममोहन राय ने 'सनातनी कूपमंडूकताओं का सिर्फ विरोध नहीं किया, उसकी जड़ों में ही पलीता लगा दिया।' इन दिनों सनातन की बहाली के लिए सारे घोड़े खोले बैठे गिरोह को 192 वर्ष पहले दैहिक रूप से दुनिया छोड़ गए इस समाज सुधारक की आभा से ठीक इन्ही वजहों से भय लगता है और सन्निपात में आकर वे उनके बारे में कुछ भी आंय–बांय–सांय बोलने लगते हैं।

राजा राममोहन राय आधुनिक और वैज्ञानिक शिक्षा, प्रेस की स्वतंत्रता, नागरिक आजादी के क्षेत्र में ही नहीं, आर्थिक नीतियों के मामलो में भी अपने समय के हिसाब से काफी आगे थे। उन्होंने बंगाली ज़मींदारों की दमनकारी प्रथाओं की निंदा की और न्यूनतम लगान तय करने की माँग की थी। कर–मुक्त ज़मीनों पर करों को समाप्त करने की भी माँग की। विदेशों में भारतीय वस्तुओं के जाने के समय लगाए जाने वाले निर्यात शुल्क में कमी करने तथा ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापारिक अधिकारों को समाप्त करने की भी मांग उठाई थी। इसी के साथ उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं में भारतीयों को लेने और कार्यपालिका को न्यायपालिका से अलग करने की माँग की थी। उनके जाने के कोई दो सौ बरस बाद आज देश को ठीक उसी तरह के हालात को वापस लाने में लगे संघ–भाजपा को पता है कि राजा राममोहन राय जैसे क्रांतिकारी सुधारक उनके किये में बाधा बन सकते हैं, इसलिए निशाना उन पर है।

उनका डर अस्वाभाविक नहीं है। यह राजा राममो. हन राय थे, जिन्होंने पहली बार अंग्रेजी भाषा में षहिंदुइज्म" शब्द का प्रयोग किया था। 1816 में लिखी अपनी एक किताब में यह शब्द उन्होंने मुख्य रूप से तब के हिंदू समाज में प्रचलित अंधविश्वासा. ́, मूर्तिपूजा, बहुविवाह, बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुरीतियों के संदर्भ में प्रयोग किया था, जिनका वे घोर विरोध करते थे। इस तरह उन्होंने षहिंदुइज्मष शब्द का उपयोग हिंदू धर्म की उन पारंपरिक मान्यताओं और प्रथाओं का वर्णन करने के लिए किया था, जिन्हें वे तर्कहीन मानते थे और जिन्हें वे सुधारना चाहते थे। ऐसे हिन्दुइज्म और उसके नाम पर सनातन की बहाली के लिए प्रतिबद्ध संघ–भाजपा के लिए राममोहन राय की शिक्षाएं उनके मंसूबों पर पानी फेरने वाली लगती हैं और ठीक ही लगती हैं।

इस तरह यह एक व्यक्ति या विचार पर हमला नहीं है। नवजागरण के जरिये बुद्धि, विवेक, तर्क और विज्ञान पर आधारित सोच–समझ लाने के उस क्रांतिकारी योगदान पर हमला है, जिसने इस देश को स्वतन्त्रता, संविधान, समता, समानता की धारणा और लोकतंत्र दिया। उस मनुवाद की संगति में हैं, जो स्त्रियों के सती किये जाने को महान परम्परा के रूप में पूजता है रू सती प्रथा का गौरव गान करता है। 1987 में राजस्थान के देवराला में युवती रूपकुंवर को सती किये जाने के समय और उसके बाद बने मंदिरों और मेलों में अगुआई करके यह उसे अमल में भी लाता रहा है रू बाकी तो जो है, सो है ही।

यह उस राजनीतिक महापरियोजना को लागू करने की दिशा में माहौल बनाने का एक चरण है, जिसका अंतिम लक्ष्य भारत में सनातन धर्म पर आधारित हिन्दू–राष्ट्र की स्थापना करना है। जिसके लिए शेष सभी धर्म, स्वयं हिन्दू धर्म के मत, पंथ, सम्प्रदाय, दर्शन, विचार और परम्पराओं का खात्मा इसका मिशन है। तार्किकता को मूर्खता, वादविवाद और संवाद को कायरता और वैज्ञानिक सोच को अभारतीय करार देना इस धतकरम की पूर्व–शर्त है।

यदि बयान वापसी दिखावा नहीं था और भाजपा सच में मंत्री के बयान को गलत मानती थी, तो उसे तुरंत इस मंत्री को कैबिनेट से बर्खास्त करना चाहिये था। मगर ऐसा नहीं हुआ। जितनी त्वरित कार्यवाही देश लूटने वाले अडानी के 63 हजार करोड़ का घोटाला उजागर करने पर अपने ही पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह के विरुद्ध की है, वैसी फुर्ती भाजपा ने देश को सभ्य बनाने वाले असाधारण सुधारकों में से एक, भारत के नवजागरण आन्दोलन के पुरोधा राजा राममोहन राय के इतने असभ्य अपमान पर नहीं दिखाई। ऐसा करके भाजपा ने बता दिया है कि वह अपना असली पुरखा किसे मानती है।

'(लेखक लोकजतन के संपादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं। संपर्क रू 94250–06716)'

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

भक्ति बनाम सुरक्षा

संपादक – राज कुमार

मदीना के पास हुआ दुखद बस एक्सीडेंट, जिसमें तेलंगाना के 45 भारतीय तीर्थयात्रियों की जान चली गई, सिर्फ़ किसी विदेशी सड़क पर हुई कोई अकेली घटना नहीं है। यह हमें एक परेशान करने वाली सच्चाई का सामना करने पर मजबूर करता हैरू आस्था पर आधारित यात्रा के बढ़ते पैमाने के साथ–साथ सुरक्षा, रेगुलेशन या ट्रांसपेरेंसी के लिए कोई कमिटमेंट नहीं किया गया है। हर साल, लाखों लोग रूहानी सुकून की तलाश में मक्का और मदीना की तीर्थयात्रा करते हैं। लेकिन यह यात्रा ऐसे जोखिमों से भरी रहती है जो न तो ज़रूरी हैं और न ही जिन्हें टाला जा सकता है। हैदराबाद में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को दुआओं के साथ विदा किया था, उनके लिए बस में लगी आग की खबर दिल दहला देने वाली थी। बचे हुए लोगों की बातें, भले ही वे कम हों, बस कुछ हिस्से ही दिखाती हैं जो एक तेल टैंकर से हुई भयानक टक्कर लगती है। घटनाओं की सही चेन के बारे में इतना कम पता होना एक बड़ी सच्चाई की ओर इशारा करता हैरू तीर्थयात्रियों के ट्रांसपोर्टेशन के आसपास सुरक्षा का ढांचा अभी भी अधूरा है, जो ऑपरेटरों, कॉन्ट्रैक्टरों और अधिकार क्षेत्रों में फैला हुआ है, जो अक्सर जनता की जांच से बच जाते हैं। हालांकि दोनों देशों के अधिकारियों ने तुरंत रिएक्ट किया है, कंट्रोल रूम बनाए हैं और कम्युनिकेशन को आसान बनाया है, लेकिन ये एक सिस्टमिक कमी को दूर करने के लिए रिएक्टिव उपाय हैं, जिसकी और करीब से जांच की ज़रूरत है। भारत के बढ़ते मिडिल क्लास ने तीर्थयात्राओं को पहले से कहीं ज़्यादा आसान बना दिया है। फिर भी, धार्मिक यात्राओं के इस डेमोक्रेटाइज़ेशन ने एक बहुत बड़ा लॉजिस्टिक ग्रिड बना दिया है, जिसमें स्टैंडर्ड बहुत अलग–अलग हैं। यात्री अक्सर प्राइवेट ऑपरेटरों पर निर्भर रहते हैं, जिनकी काबिलियत और नियमों का पालन करने की क्षमता में बहुत अंतर होता है। कई तीर्थयात्री, खासकर बुज़ुर्ग, सुरक्षा नियमों, इंश्योरेंस कवरेज या इमरजेंसी सपोर्ट के बारे में पक्की जानकारी के बिना ही इन यात्राओं पर निकल पड़ते हैं। तीर्थयात्रा का इमोशनल महत्व अक्सर जोखिम के प्रैक्टिकल सवालों पर हावी हो जाता है। सऊदी अरब में हुआ हादसा जवाबदेही के बारे में एक असहज चुप्पी को भी सामने लाता है। जब देश की सीमाओं के बाहर दुखद घटनाएं होती हैं, तो ज़िम्मेदारी की लाइनें तुरंत धुंधली हो जाती हैं। क्या गाड़ी का ठीक से मेंटेनेंस किया गया था? क्या ड्राइवर फिट, ट्रेंड और आराम कर रहे थे? क्या खतरों के लिए रास्ते का अंदाज़ा लगाया गया था? ये सवाल दोष देने के लिए नहीं, बल्कि दोबारा ऐसा होने से रोकने के लिए मायने रखते हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर भारत और सऊदी अरब के बीच एक साफ़ दोतरफ़ा सिस्टम, जिसमें ऑपरेटर की जांच, इमरजेंसी मेडिकल कोऑर्डिनेशन, रोड एडवाइज़री, और घटना के बाद ट्रांसपेरेंसी शामिल हो, को अब एक ज़रूरी ज़रूरत माना जाना चाहिए, न कि एक डिप्लोमैटिक शिष्टाचार। अभी के लिए, ध्यान दुखी परिवारों को मदद देने और यह पक्का करने पर है कि घायल बचे हुए व्यक्ति को सबसे अच्छी देखभाल मिले। लेकिन दुख बातचीत का अंत नहीं हो सकता। क्योंकि भारत हर साल अपने हज़ारों नागरिकों को धार्मिक यात्राओं के लिए विदेश भेजता है, इसलिए उसे ऑपरेटरों और मेज़बान देशों, दोनों से कड़े सुरक्षा उपायों पर ज़ोर देना चाहिए। आस्था तीर्थयात्रियों के कदमों को रास्ता दिखा सकती है, लेकिन यह कभी भी एक सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा का विकल्प नहीं होनी चाहिए। मदीना के पास हुई त्रासदी दो बातों की दर्दनाक याद दिलाती है, एक, कि मुसीबत अक्सर गरीब तीर्थयात्रियों पर आती है और दो, कि भक्ति उस नुकसान की कीमत पर नहीं आनी चाहिए जिसे रोका जा सकता है।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

ललित गर्ग

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है–संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं–सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग–निर्माता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे।

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि–उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी–डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी–"सहकार से समृद्धि"। भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून–व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा–"गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है।" उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू–कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है–यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था–"कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।" शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है।

गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल–इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती–हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है–वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं। अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों–बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी। इसलिए शाह ने एक स्पष्ट निर्णय लिया कि प्रचार सामग्रियों पर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। आधुनिक राजनीति का चाणक्य कहें या फिर मोदी के भरोसेमंद सारथी, इसी खास सोच की वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह अमिट पहचान बन चुकी है।

अमित शाह को एक उत्कृष्ट संगठक और अभियान रणनीतिकार माना जाता है। उनके समर्थक उन्हें हिंदू धर्म का महान रक्षक मानते हैं, जबकि उनके आलोचक उन्हें एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत के रूप में देखते हैं। वह अपनी राजनीतिक कुशलता और जमीन से जुड़कर काम करने के लिए जाने जाते हैं। अमित शाह का राजनीतिक करियर उनके रणनीतिक कौशल, संगठन क्षमता और कठोर निर्णय लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर देश के गृह मंत्री तक का उनका सफर भारतीय राजनीति में उनके मजबूत प्रभाव का प्रमाण है। वह भविष्य में भी भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बने रहने की संभावना है। अमित शाह का व्यक्तित्व सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को सजीव करता है। जहाँ पटेल ने रियासतों का विलय किया, वहाँ शाह ने विचारों का एकीकरण किया। जहाँ पटेल ने लौह इच्छाशक्ति से भारत का नक्शा जोड़ा, वहाँ शाह ने अखंड भारत की भावना को राजनीतिक और सामाजिक धरातल पर साकार किया। उनके जीवन का सूत्रवाक्य रहा है–"व्यक्ति नहीं, राष्ट्र सर्वोपरि।" शाह ने राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखा तो 'काम रुके ना, देश झुके ना' के नारे के साथ विकास को भी उसमें जोड़ा। चुनौतियों से जूझने की उनकी छवि ही उन्हें जुझारू और लक्ष्य के प्रति जुनूनी बनाती रही है।

अमित शाह की कार्यशैली अनूठी एवं विलक्षण है, वे जब कोई काम हाथ में लेते हैं तो स्पष्ट लक्ष्य सामने होता है और उसके हिसाब से रणनीति पर काम करते हैं। भले नतीजे पक्ष में आए या खिलाफ, इसकी परवाह नहीं करते। उनका विजन स्पष्ट रहता है और नतीजों के बजाए काम करने पर फोकस रहता है। इसलिए मोदी–शाह की जोड़ी हर चुनाव को युद्ध के रुप में लड़ने के लिए जानी जाती है। शाह का मानना है कि संगठन को हमेशा 24 घंटे 365 दिन गतिशील रखना चाहिए। यह काम वे अपने पांच दशक के राजनीतिक सफर में, वार्ड के बूथ प्रभारी के तौर से करते रहे हैं। गीत–संगीत के शौकीन शाह निदा फाजली के प्रशंसकों में से हैं। खाने–पीने के शौकीन जरुर हैं, लेकिन संयमित और अनुशासित भोजन ही लेते हैं। अमित शाह केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक युग का नेतृत्व करने वाले कर्मयोगी हैं। उनकी राजनीति में चातुर्य नहीं, दृष्टि है; उनके निर्णयों में कठोरता नहीं, राष्ट्रभक्ति की गहराई है। चाहे सहकारिता का नवजागरण हो, सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण या कश्मीर का एकीकरण–हर क्षेत्र में उन्होंने यह सिद्ध किया है कि यदि नीयत सच्ची हो और दृष्टि व्यापक तो कोई भी परिवर्तन असंभव नहीं। भारत के इतिहास में अमित शाह उस विरल श्रेणी के नेता हैं जिनके कार्यों ने राष्ट्र की दिशा बदली है–वास्तव में वे आज के "संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष" हैं।

– ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू में मध्य रात्रि मैराथन में 600 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : विभिन्न आयु वर्ग के 600 से अधिक उत्साही धावकों ने यहां मौलाना आजाद स्टेडियम में जम्मू मध्य रात्रि मैराथन में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने दो चरणों में प्रतिस्पर्धा की और स्टेडियम रोशनी और जयकार के अखाड़े में बदल गया।

युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा ने कहा, ष्हमारी प्राथमिकता एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जहां एथलीटों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, विश्व स्तरीय सुविधाएं और नियमित प्रतिस्पर्धी अनुभव प्राप्त हो।ष

उन्होंने कहा कि मध्य रात्रि मैराथन जैसे आयोजन सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करते हैं और लोगों, विशेषकर युवाओं को फिटनेस को दैनिक आदत के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा, ष्एक स्वस्थ जम्मू–कश्मीर हमारी प्रतिबद्धता है और हम उन पहलों का विस्तार करना जारी रखेंगे जिनसे एथलीटों और समाज को व्यापक लाभ होगा।ष

सतीश शर्मा और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने मैराथन का नेतृत्व किया।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि जेके स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा रियल टाइम स्पोर्ट्स के सहयोग से आयोजित जम्मू मध्य रात्रि मैराथन का तीसरा संस्करण कल रात और आज सुबह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

वानी ने कहा कि प्रतिभागियों में उत्साह जम्मू–कश्मीर में विकसित हो रही खेल संस्कृति को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, ष्हमारे मुख्यमंत्री के गतिशील नेतृत्व में, हम बुनियादी ढाँचे को बेहतर बना रहे हैं, हर स्तर पर एथलीटों का समर्थन कर रहे हैं और नागरिकों को शारीरिक गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस तरह के आयोजन समुदायों को एकजुट करते हैं और युवाओं को अनुशासित, सक्रिय जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं।ष

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव चाढक की शुभकामनाएँ

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के सुअवसर पर भारतीय जनता पार्टी जम्मू–कश्मीर के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजीव चाढक जी ने समस्त पत्रकार बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

श्री राजीव चाढक ने अपने संदेश में कहा कि स्वतंत्र, निर्भीक और तथ्याधारित पत्रकारिता ही किसी भी सशक्त लोकतंत्र की मूल आधारशिला होती है। मीडिया समाज की वास्तविक आवाज़ को स्वर देती है, जनभावनाओं को अभिव्यक्त करती है तथा शासन–प्रशासन को जनउत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज के युग में पत्रकारिता केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनचेतना जागृत कर राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय योगदान भी करती है।

उन्होंने कहा कि हमारे सभी पत्रकार बंधु निष्ठा, समर्पण और साहस के साथ राष्ट्रहित में कार्य कर रहे हैं। उनकी निष्पक्षता, संवेदनशीलता, सत्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना ही लोकतंत्र को अधिक सशक्त और जीवंत बनाती है। कठिन परिस्थितियों में भी पत्रकारों द्वारा निभाई जाने वाली कर्तव्यपरायणता प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। श्री चाढक ने विश्वास व्यक्त किया कि मीडिया भविष्य में भी समाज के सुधार, जन–जागरूकता और राष्ट्रहित के लिए अपनी रचनात्मक एवं सकारात्मक भूमिका को और अधिक सशक्तता के साथ निभाता रहेगा। अंत में उन्होंने पुनः सभी मीडिया कर्मियों, पत्रकार साथियों और प्रेस जगत से जुड़े सभी लोगों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभेच्छाएँ प्रेषित कीं।

डीजीपी ने कुपवाड़ा में आतंकवाद विरोधी उपायों की परिचालन तत्परता की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने रविवार को कुपवाड़ा जिले में गतिज और गैर–गतिज अभियानों के साथ–साथ समग्र सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, ष्वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान, डीजीपी ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता को मजबूत करने के उद्देश्य से परिचालन तत्परता, खुफिया समन्वय, आतंकवाद विरोधी उपायों और समुदाय–उन्मुख पहलों का आकलन किया। प्रभात ने सीमा पर उच्च सतर्कता बनाए रखने, सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

प्रवक्ता ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डीजीपी ने जिले के द्रुगमुल्ला इलाके में दिवंगत इंस्पेक्टर असरार–उल–हक शाह के आवास का भी दौरा किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

शाह शुक्रवार रात श्रीनगर के बाहरी इलाके में नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट में मारे गए, जिसमें 9 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

यह विस्फोट, जिसके बारे में अधिकारियों का कहना है कि यह एक दुर्घटना थी, न कि आतंकवादी हमला, रात 11रू20 बजे हुआ जब एक टीम फरीदाबाद, हरियाणा से लाए गए जब्त विस्फोटक सामग्री के बक्सों से नमूने निकाल रही थी। डीजीपी के अलावा, विशेष डीजी (समन्वय), पीएचक्यू, एसजेएम गिलानी, कुपवाड़ा एसएसपी ताहिर गिलानी और अतिरिक्त एसपी जावीद अहमद ने भी शाह के परिवार से मुलाकात की और दुख की इस घड़ी में उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की।

उत्तरी सेना कमांडर ने जम्मू में उभरते आतंकी खतरों के खिलाफ सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया

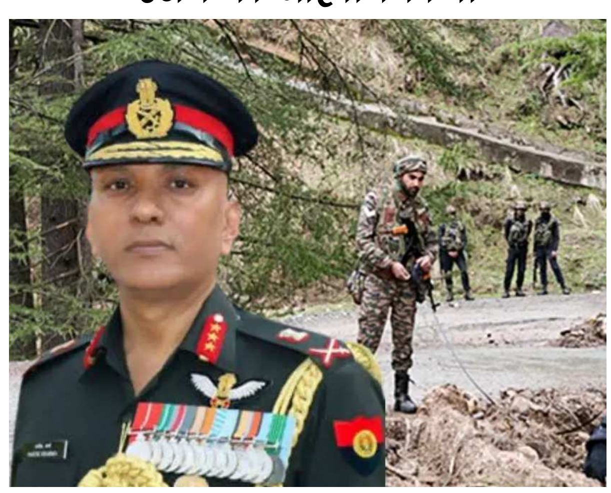

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने रविवार को जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले में आतंकवाद रोधी ग्रिड की समीक्षा की और सभी रैंकों को अंदरूनी इलाकों में उभरते खतरों के खिलाफ सतर्क और सक्रिय रहने का आह्वान किया।

उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ ने बसंतगढ़ और रामपुर क्षेत्रों का दौरा किया, जहां पिछले कुछ वर्षों में कई आतंकवादी घटनाएं हुई हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने आतंकवाद निरोधी ग्रिड की समीक्षा के लिए बसंतगढ़ और रामपुर का दौरा किया।

उन्होंने सभी रैंकों से आंतरिक क्षेत्रों में उभरते खतरों के प्रति सतर्क और सक्रिय रहने का आह्वान किया।

सेना की उत्तरी कमान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्यात्रा के दौरान उन्होंने सैनिकों से भी बातचीत की और उनकी व्यावसायिकता तथा जम्मू–कश्मीर को आतंकवाद मुक्त रखने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।ष

शनिवार को सेना कमांडर ने राजौरी जिले के नौशेरा और बिम्बर गली सेक्टरों का दौरा किया और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की।

सेना ने बताया कि कमांडर ने नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों से बातचीत की और उनके उच्च मनोबल, पेशेवर रवैये और निरंतर परिचालन दक्षता की सराहना की। साथ ही, उन्हें उन्नत निगरानी प्रणालियों, सटीक संलग्नता क्षमताओं और मजबूत रक्षात्मक स्थिति बनाए रखने के लिए भविष्य के लिए तैयार परिचालन उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

सत शर्मा, अशोक कौल ने उधमपुर में संगठनात्मक बैठक को संबोधित किया, जमीनी स्तर पर संपर्क मजबूत करने का आह्वान किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जम्मू और कश्मीर ने अपने अध्यक्ष अरुण गुप्ता की अध्यक्षता में जिला उधमपुर की एक संगठनात्मक बैठक आयोजित की। भाजपा जम्मू–कश्मीर के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा (सीए) और भाजपा जम्मू–कश्मीर के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने बैठक को मुख्य रूप से संबोधित किया।

इस अवसर पर भाजपा जम्मू–कश्मीर के महासचिव बलदेव सिंह बिलावरिया, विधायक पवन गुप्ता, बलवंत सिंह मनकोटिया, रणबीर सिंह पठानिया, सुनील भारद्वाज, वरिष्ठ नेता प्रमोद कपाही सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, सत शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके अटूट समर्पण के लिए बधाई दी और कहा कि बिहार चुनाव और नगरोटा व ओडिशा उपचुनावों में भाजपा की हालिया जीत ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर के लोगों के बढ़ते विश्वास की पुष्टि की है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ये नतीजे भाजपा की विकास–केंद्रित राजनीति, राष्ट्रवाद और पारदर्शी शासन के प्रति देश की स्वीकृति को दर्शाते हैं। सत शर्मा ने ज़ोर देकर कहा कि जम्मू–कश्मीर में भाजपा को अपनी पहुँच और बढ़ानी चाहिए, मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर–घर पहुँचाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पार्टी समाज के सभी वर्गों से गहराई से जुड़ी रहे। उन्होंने आगे कहा कि हमारा राजनीतिक उद्देश्य स्पष्ट है, राष्ट्रवादी ताकतों को मज़बूत करना, हर नागरिक को सशक्त बनाना और जम्मू–कश्मीर में विकसित भारत के मिशन को आगे बढ़ाना। अशोक कौल ने चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की और ज़िला टीमों को पार्टी की आगामी पहलों में भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्टी के सभी स्तरों पर अनुशासन, समन्वय और सामूहिक कार्यप्रणाली के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति उसके समर्पित बूथ कार्यकर्ताओं में निहित है, और प्रत्येक कार्यक्रम को अधिकतम ज़मीनी स्तर पर लामबंदी और व्यवस्थित अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

भाजपा नेतृत्व ने नवनिर्वाचित विधायक देवयानी राणा का अभिनंदन किया

सत शर्मा ने मोदी सरकार की जन-केंद्रित नीतियों में लोगों के विश्वास पर प्रकाश डाला

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक देवयानी राणा को सम्मानित करने के लिए जम्मू स्थित पार्टी मुख्यालय में एक सम्मान समारोह आयोजित किया।

समारोह का नेतृत्व जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा (सीए) ने किया, उनके साथ जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल, राज्यसभा सांसद इंजी. गुलाम अली खटाना, विधानसभा क्षेत्र प्रभारी एवं विधायक शाम लाल शर्मा, सह–प्रभारी भारत भूषण और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इस अवसर पर जम्मू–कश्मीर भाजपा महासचिव संजीता डोगरा और गोपाल महाजन, विधायक डॉ. डी.के. मन्याल, सुरजीत सिंह सलाथिया, युद्धवीर सेठी, अरविंद गुप्ता और मोहन लाल भगत तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, सत शर्मा (सीए) ने कहा कि देवयानी राणा की भारी जीत प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की नीतियों का स्पष्ट प्रमाण है, जिन्होंने गरीबों, ज़रूरतमंदों और समाज के सबसे उपेक्षित वर्गों को प्राथमिकता देकर शासन में बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि नगरोटा की जनता ने भाजपा में अपना विश्वास इसलिए जताया है क्योंकि उन्होंने कागज़ों पर नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर विकास देखा है।

सत शर्मा ने कहा कि बिहार चुनाव में एनडीए और भाजपा के प्रभावशाली प्रदर्शन सहित भाजपा की हालिया सफलताएं मोदी जी की जन–केंद्रित नीतियों की राष्ट्रव्यापी स्वीकृति और विकसित भारत के लिए पार्टी के दृष्टिकोण में मजबूत होते विश्वास को दर्शाती हैं।

अशोक कौल ने कहा कि नगरोटा में पार्टी की जीत भाजपा कार्यकर्ताओं के वर्षों के समर्पित परिश्रम को दर्शाती है, जिन्होंने स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए अंतिम छोर तक पहुँच बनाई है।

उन्होंने कहा कि यह जनादेश सबसे गरीब और सबसे दुर्गम इलाकों में रहने वालों की सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मिशन को बिना रुके जारी रखेगी।

शाम लाल शर्मा ने देवयानी राणा को बधाई दी और विकास कार्यों के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वा. सन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा नगरोटा में बुनियादी ढाँचे से लेकर सामाजिक कल्याण तक, समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक निवासी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करेगी।

देवयानी राणा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगरोटा के लोगों ने उन पर जो भरोसा जताया है, उससे वे अभिभूत हैं। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को अटूट प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और पारदर्शी सेवा का आश्वासन दिया।

बाद में, सत शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं ने देवयानी राणा के साथ माता बावे वाली मंदिर का दौरा किया और सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित सफल कार्यकाल के लिए दिव्य आशीर्वाद मांगा।

ब्लास्ट का 'मॉड्यूल' कुछ बहुत कुछ कहता है?

विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी? घटना के समय चारों तरफ भगदड़ मचना, चीख-पुकार का तेज शोर व विस्फोटक चिंगारियों से मेट्र स्टेशन के शीशों का चटाचट टूटना और ब्लास्ट वाली कार का एक गेट करीब 90 मीटर दूर जाकर गिरने के मंजर को देखकर प्रत्यक्षदर्शी, राहगीर और दुकानदार सहम से गए।

डॉ. रमेश ठाकुर

ब्लास्ट होने के महज कुछ घंटों पहले दिल्ली से सटे 47 किलोमीटर दूर फरीदाबाद में संदिग्धों के घरों से हथियारों का भारी मात्रा में जखीरा मिलना और सैकड़ों किलो आरडीएक्स की बरामदगी घटना से संबंध जुड़ने की ओर इशारा करती है? बेशक घटना को अभी आतंकी या फिदायीन हरकत करार न दी गई हो? पर, हमले का मॉड्यूल बहुत कुछ कहता है। हालांकि, केंद्रीय जांच एजेंसियां, एनआईए और एनएसजी फिलहाल हर एंगल से कड़ियों को जोड़ने में लगी है। खुदा–ना–खास्ता अगर ये आतंकितयों की हरकतें निकली, तो समझ लेना चाहिए कि अब उन्होंने अपने मंसूबों को अंजाम देने वाले तरीकों में बदलाव कर लिया है। दिन में आतंकी नेटवर्क का पकड़ा जाना और देर शाम को धमाका हो जाने की थ्योरी पर सभी अचंभित हैं। दिल्ली जैसा राज्य जो अति सुरक्षित हो, चप्पे–चप्पे पर चौबीसों घंटे चौकसी रहती हो? जहां केंद्र सरकार से लेकर खुफिया एजेंसियों का ठिकाना हो, वहां घटित ऐसे हादसे को सीधे–सीधे हुकूमत की नाकामी और सुरक्षा तंत्र की घोर विफलता ही कहा जाएगा।

विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी? घटना के समय चारा. ` तरफ भगदड़ मचना, चीख–पुकार का तेज शोर व

विस्फोटक चिंगारियों से मेटृ स्टेशन के शीशों का चटाचट टूटना और ब्लास्ट वाली कार का एक गेट करीब 90 मीटर दूर जाकर गिरने के मंजर को देखकर प्रत्यक्षदर्शी, राहगीर और दुकानदार सहम से गए। लोग दुकानों में छिप गए, गाड़ियों की आड़ लेकर बैठ गए। ब्लास्ट वाली जगह पर चौबीसों घंटे लोगों की चहल–पहल रहती है। एशिया का सबसे बड़ा बाजार भी वहीं है इसलिए उसे व्यस्तम इलाक. ों में गिना जाता है। लालकिले के बाहरी हिस्से में लाखों लोगों की प्रतिदिन आवाजाही रहती है। गनीमत ये रही कि सोमवार का दिन था, अमूमन दुक. ानें बंद रहती हैं। वरना, इस भयभीत मंजर ये भगदड़ मचने से और भी बड़ी घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसी अचानक से धरती फट गई हो और आसमान पूरा लाल हो गया हो? लोगों ने बताया घटनास्थल पर किसी का हाथ पड़ा था तो किसी की कटी हुई गर्दन? जलते मांस के टुकड़ों से आती गंध ने और ज्यादा मंजर डरावना कर दिया। कुछ मिनट तक लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है? दिल्ली सत्ता का केंद्र ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से प्रतीक भी माना जाता है। बहरहाल, फिदायीन हमले की आशंका है जिसको मद्देनजर रखकर ही एनआईए और एनएसजी जांच में जुटी है। क्योंकि ऐसे हमलों की खुफिया जानकारियां उन्हें पूर्व से प्राप्त हैं। तकरीबन इस तरह के हमले विस्फोटक पदार्थों से ही किए जाते हैं जिसका पुलवामा कांड सबसे बड़ा उदाहरण है। इंटेलिजेंस को अगस्त से ही इंटपुट मिल चुके थे कि जम्मू के रास्ते कुछ आतंकी देश में प्रवेश कर चुके हैं जो कहीं न कहीं बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। उन्हें डिटेन करने में तमाम खुफिया एजेंसी सक्रिए थीं। लेकिन सटीक जानकारियां का अभाव रहा। हालांकि, हथियार और आरडीएक्स को बरामद करने में सफलता जरूर मिली। पर, कौन से आतंकी संगठन शामिल हैं और उनका घटनाई मॉड्यूल क्या है? आदि की जानकारी से हाथ खाली रहा। मौजूदा घटना के तय तक जाने की जरूरत है। देशवासियों को इसलिए बताना चाहिए, तो नागरिक खुद से भी सतर्क हो सकें। ऐसी घटनाओं पर समय रहते अगर प्रतिबंध नहीं हुआ, तो आतंकियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे। घटना में हरियाणा की एचआर–26, 7624 नंबर की आई–20 जो कार प्रयुक्त हुई है उसकी पहचान जांच एजेंसियों कर ली है। कार का मालिक फरीदाबाद निवासी कोई मोहम्मद सलमान नाम का है जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। कुछ महीने पहले उसने उस कार को सेकंड हैंड किसी से खरीदी थी। निश्चित रूप कार के जरिए बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। कार का इसी साल सितंबर में गलत पार्किंग को लेकर फरीदाबाद में चालान भी कटा था। घटना के वक्त कार में तीन लोगों के होने की आशंका जताई गई, जो थे उनके चिथड़े उड़ चुके हैं। कार में वांछित डॉ.उमर मोहम्मद के होने की भी आशंका है, वहीं उमर जिसके घर से घटना के कुछ घंटों पहले हथियारों का जखीरा और आरडीएक्स बरामद हुआ था। कार से बरामद शव उस हालत में नहीं हैं जिनकी शिनाख्त की जाए, डीएनए जांच से ही उनकी पुष्टि हो सकेगी। घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ खड़े हुए हैं। जैसे, कि ब्लास्ट होने की भनक भारतीय खुफिया एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? घटना केंद्र सरकार और स्थानीय सरकार के बिल्कुल नाक के नीचे घटी। पुलिस को ब्लास्ट की सूचना 6 बजकर 52 मिनट पर मिली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर–एक के बा–मुश्किल 20–25 मीटर दूरी पर लाल बत्ती रेड लाइट पर एक स्लो मोशन कार आती है और ब्लास्ट हो जाता है। सीसीटीवी फुटेज में कार घटना के कुछ घंटे पहले पास के एक मस्जिद परिसर में खड़ी देखी गई। क्या प्लानिंग पहले से की गई थी या फिर आरडीएक्स के शेष हिस्से को ब्लास्ट के जरिए दफन करना था। हालांकि, घटना के बाद जांच चौकसी को बढ़ाते हुए कई राज्यों में हाई अलर्ट किया गया है। आईबी के पास सूचनाएं हैं कि ऐसी घटनाएं कुछ राज्यों में भी घट सकती हैं। इसलिए एतियातन केंद्र सरकार ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अलर्ट जारी किया है। 2025 हादसा. ` के लिए जाना जाएगा। कोई ऐसा महीना नहीं बीता, जब देश में कोई बड़ी घटना न घटी हो? कहीं भगदड़, तो कहीं कुदरती आपदाएं। झकझोर देने वाला पहलगाव हमला भी शामिल है। फिलहाल, दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकाल. ीन बैठक बुलाई जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। सवाल उठता है सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक? घटना में 11 लोगों के मरने और 24 के घायल के आंकड़ों को प्रशासन ने जारी किया है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

फारूक अब्दुल्ला महबूबा मुफ्ती आतंकवादियों की वकालत करना कब बंद करेंगे - चंदेल

आतंकवादी एक ही जाति समुदाय में क्यों पाए जाते हैं?
फरीदाबाद आतंकवादी यूनिवर्सिटी अल फलाह पर बुलडोजर चलाने की मांग की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं वाल्मीकि रत्न महंत गुरुजी राजू चंदेल ने पत्रकारों के साथ बात करते हुए कहा कि वह दिन कब आएगा जब नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता फारूक अब्दुल्ला एवं पीडीपी की सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती आतंकवादियों अलगाववादियों की वकालत करना कब बंद करेंगे जबकि सबसे ज्यादा आतंकवादी एक ही जमात समुदाय जाति से आते हैं यह जग जाहिर हो चुका है आज जम्मू कश्मीर के नौजवान सर्वाधिक आतंकवादी आतंकवाद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं।

यह कश्मीरी मुस्लिम लोग भारत का अन्न अनाज खाना खाते है और गीत पाकिस्तान का गाते हैं दिल्ली राजधानी एवं कश्मीर के श्रीनगर के नौगांव में भयंकर विस्फोट में बेगुनाह लोगों की मौत का जिम्मेदार कश्मीरी नौजवान डॉक्टर का स्पष्ट हाथ है यह हमें बताने की जरूरत नहीं है उसके बाद भी कश्मीर के यह नेता आतंकवादी एवं उनके रिश्तेदारों के पक्ष में हमेशा खड़े रहते हैं जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडित सिपाही या फौजी शहीद होता है तो यह कभी भी उनके घर दो आंसू बहाने नहीं जाते परंतु जब कोई आतंकवादी मरता है तो उसकी वकालत के लिए दोनों नेता हमेशा खड़े रहते हैं यह देश और कश्मीर का दुर्भाग्य है, महन्त चंदेल ने कहा कि इस देश में कश्मीर का जब तक भला नहीं हो सकता तब तक आतंकवाद आतंकवादियों के चाहने वाले फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती जैसे घटिया सोच रखने वाले नेता आतंकवादियों का साथ देते रहेंगे को शर्म आनी चाहिए कि यह लोग गद्दारो की आतंकवादियों की वकालत करते हैं और देश के लोगों को इनका पूरी तरह से बहिष्कार करना चाहिए।

आतंकवाद कोई भी हो अच्छा नहीं होता आतंकवाद समाज व देश के लिए खतरनाक होता है हमारे नेताओं को आतंकवाद की वकालत करना बंद करना चाहिए और देश व देश के नागरिकों के साथ देश की तरक्की के साथ खड़ा होना चाहिए।

महन्त चंदेल देश के गृहमंत्री अमित शाह से मांग करते हुए कहा कि उस आतंकवादी अल–फलाह यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चलाने की मांग की गई है जिस में आतंकवादी यूनिवर्सिटी चल रही थी हो सकता है इस यूनिवर्सिटी की जमीन के अंदर नीचे तहखानों में और ज्यादा विस्फोटक दबा रखा हो।

नवंबर में ही बर्फीली ठंड का सितम! राजस्थान- मध्य भारत में पारा 5 डिग्री के नीचे, शीतलहर से लोग बेहाल

नई दिल्ली। पूर्वी राजस्थान और उत्तर प्रदेश व झारखंड के कुछ इलाकों में भी 16 नवंबर तक ऐसी ही ठंड रहेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (प्डक) के अनुसार, सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान में गिरावट के लिए ठंडी उत्तर–पूर्वी हवाएँ ज़िम्मेदार हैं। पश्चिमी मध्य प्रदेश में सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाने लगा है, जिससे दृश्यता कम हो रही है और ठंडी हवाओं का असर बढ़ रहा है। असामान्य रूप से कठोर सर्दियों की शुरुआत हिमालय के बर्फबारी वाले क्षेत्रों से आने वाली तेज उत्तर–पूर्वी हवाओं और साफ आसमान के कारण हो रही है, जो रात के समय तेजी से गर्मी को कम करने में मदद करते हैं।

मध्य भारत में कड़ाके की ठंड

मध्य भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 16 नवंबर तक मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 14 नवंबर तक सबसे तीव्र शीत लहर से लेकर गंभीर शीत लहर की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अलग–अलग इलाकों में 16 नवंबर तक गंभीर स्थिति बनी रहेगी। मध्य प्रदेश का राजगढ़ सबसे ठंडे स्थानों में से एक के रूप में उभरा है, जहां न्यूनतम तापमान महज 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो नवंबर के लिए सामान्य से काफी कम है। कई जिलों में इसी तरह का उप–10 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

राजस्थान

तापमान में लगातार गिरावट के बीच बीती रात राजस्थान में कुछ जगह पर शीतलहर दर्ज की गई और फतेहपुर में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार रात पूर्वी राजस्थान में एक–दो जगह शीतलहर दर्ज की गई और पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 5.0 डिग्री, सीकर में 5.4 डिग्री, नागौर में 6.1 डिग्री, लूणकरणसर में 6.9 डिग्री, चूरू में 7.9 डिग्री, करौली में 8.2 डिग्री व झुंझुनू में 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्र के अनुसार राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होने की संभावना है। वहीं आज और कल भी सीकर तथा टोंक जिलों में शीतलहर चलने की संभावना है।

सीकर और टोंक में शीत लहर की चेतावनी

जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राजस्थान में आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा। उत्तरी हवाओं का प्रभाव जारी रहेगा। टोंक और सीकर के लिए 15 और 16 नवंबर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि दोनों जिलों में सुबह और शाम को शीत लहर चलने की संभावना है।

स्वास्थ्य और कृषि पर प्रभाव

निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे अत्यधिक ठंड के समय, विशेष रूप से सुबह और देर शाम, जब तापमान अपने न्यूनतम स्तर पर पहुँच जाता है, बाहर कम निकलें। संवे. दनशील आबादी, जिनमें बुजुर्ग नागरिक, बच्चे और श्वसन संबंधी बीमारियाँ शामिल हैं, को अतिरिक्त सुरक्षात्मक उपायों की आवश्यकता है। गर्म कपड़े पहनना और हीटिंग उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग आवश्यक सावधानियाँ हैं।

किसानों को फसलों की सिंचाई के कार्यक्रम की सावधानीपूर्वक निगरानी करनी चाहिए और खड़ी फसलों को सबसे ठंडे घंटों में पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम को सिंचाई करनी चाहिए। मौसम संबंधी पूर्वानुमान 16 नवंबर के बाद तापमान में स्थिरता का संकेत दे रहे हैं, हालाँकि मध्य भारत में नवंबर के बाकी दिनों में लगातार ठंड का दौर बना रहेगा।

आतंकी मॉड्यूल पेशेवरों का इस्तेमाल कर रहे हैं; प्रभावशाली लोग तथ्यों से ध्यान भटकाने के लिए सिम्पैथी फ़ैक्टरी चला रहे हैं : गौरव

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा जम्मू–कश्मीर प्रवक्ता गौरव गुप्ता ने आज भारत के सामने मौजूद एक ष्खतरनाक दोहरी चुनौतीष के बारे में गंभीर चेतावनी जारी की है – उच्च शिक्षित लोगों का आतंकी नेटवर्क में शामिल होना और एक सुव्यवस्थित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र जो झूठ और सांप्रदायिक बातें फैलाकर उन्हें बचाने की कोशिश कर रहा है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली, गुजरात और अन्य राज्यों में हाल ही में डॉक्टरों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और अन्य पेशेवरों से जुड़ी आतंकवाद से संबंधित गिरफ्तारियाँ स्पष्ट रूप से साबित करती हैं कि सफेदपोश कट्टरपंथ अब कोई दूर का खतरा नहीं, बल्कि एक मौजूदा और ज़रूरी वास्तविकता है। लेकिन उन्होंने कहा कि जिस बात ने उन्हें और भी ज़्यादा परेशान किया है, वह है डिजिटल प्रभावशाली लोगों और ऑनलाइन टिप्पणीकारों के एक वर्ग का व्यवहार। गुप्ता ने कहा, ये लोग आतंकी हमलों की निंदा भी नहीं करते। इसके बजाय, वे तुरंत इस बात पर उतर आते हैं कि श्एक खास समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह चुनिंदा आख्यान न केवल भ्रामक है, बल्कि बेहद विभाजनकारी भी है, खासकर इसलिए क्योंकि जिस समुदाय की रक्षा का दावा ये प्रभावशाली लोग करते हैं। वह दशकों से आतंकवाद का एक बड़ा शिकार भी रहा है।

गुप्ता ने आगे कहा कि इस समुदाय के सदस्यों ने बार–बार अटूट देशभक्ति दिखाई है, वर्दी में देश की सेवा की है और कई लोगों ने भारत की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की नई टीम की घोषणा की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू और कश्मीर ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष ब्रह्म ज्योत सत्ती ने भाजपा जम्मू और कश्मीर के अध्यक्ष और सांसद (राज्यसभा) सत शर्मा (सीए), महासचिव (संगठन) अशोक कौल और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के परामर्श से आज जम्मू और कश्मीर के लिए भाजपा ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों और कार्यकारी सदस्यों की नई टीम की घोषणा की।

नवनियुक्त उपाध्यक्षों में रीता वर्मा (अखनूर), विजय सैनी (जम्मू बॉर्डर), जतिंदर भारती (कठुआ), अब्दुल रशीद घनई (राजौरी), सुरेश सालगोत्रा (जम्मू) और शब्बीर अहमद जरगर (कुपवाड़ा) शामिल हैं। मोर्चा के महासचिव सनी संगोत्रा (जम्मू दक्षिण), शाम मेहरा (सुंदरबनी) और फैयाज अहमद नज़र (बारामूला) हैं। सचिवों में मीना वर्मा (जम्मू बॉर्डर), उमर रहमान नज़र (बडगाम), सूरज प्रकाश वर्मा (विजयपुर), रवि अबरोल (कठुआ), अशोक सालगोत्रा (जम्मू) और वरिंदर कुमार (बिलावर) शामिल हैं। नामित प्रवक्ता हैं बोध राज (कठुआ), मदन गोपाल टोनी (जम्मू), गुलाम मोहम्मद हजाम (कुपवाड़ा) और कैप्टन हंस राज (सांबा)। कोषाध्यक्ष के रूप में राम पॉल (जम्मू दक्षिण) को नामित किया गया है, जबकि गुलाम हुसैन हजाम (डोडा) को सह–कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

आईटी एवं सोशल मीडिया का कार्यभार पुरुषोत्तम कुमार (जम्मू दक्षिण) संभालेंगे, जबकि रिजवान अहमद नज़र (कुपवाड़ा) को अतिरिक्त आईटी एवं सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। शिवाली कांगर को कार्यालय सचिव (जम्मू) नियुक्त किया गया है। अशोक कुमार पांडे को मीडिया सचिव (जम्मू सीमा) और ज्योति वर्मा को अतिरिक्त मीडिया सचिव (विजयपुर) नियुक्त किया गया है। विनोद चौधरी (जम्मू उत्तर) को प्रचार सचिव नियुक्त किया गया है, जबकि गणेश कुमार रस्याल (रियासी) अतिरिक्त प्रचार सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

ओबीसी मोर्चा के लिए घोषित राज्य कार्यकारिणी सदस्यों में मनोहर लाल वर्मा (विजयपुर), कैप्टन जनक राज (अखनूर), कृष्ण लाल वर्मा (सुंदरबनी), शाम लाल वर्मा (रामनगर), मोहम्मद शामिल हैं। राशिद (पुंछ), फैयाज अहमद वागे (पुलवामा), निसार अहमद (डोडा), रमेश मेहरा (कठुआ), चांद रानी मेहरा (सुंदरबनी), वरिंदर कुमार (जम्मू बॉर्डर), कर्नल सोम दत्त (सांबा), रोमी जान (कुलगाम), राजू बाजीगर (अखनूर), अर्पण वर्मा (कठुआ), राकेश प्रजापति (सांबा), मंडन लाल वर्मा (विजयपुर), नवीन डोगरा (जम्मू), कैप्टन। बलवंत राज (नौशेरा), राजकुमार तारखान (जम्मू दक्षिण), कस्तूरी लाल (नौशेरा), मोहम्मद बशीर जट्ट (पुंछ), मुजफ्फर अहमद नज़र (बडगाम), और मोहम्मद। अमीन शेख (अनंतनाग)।

जिला अध्यक्ष हैं नरेश वर्मा (पुंछ), जाहिद (राजौरी), गुरपाल सिंह (अखनूर), शमशेर प्रजापति (जम्मू उत्तर), अरुण सेठी (जम्मू), अशोक वर्मा (जम्मू दक्षिण), चरणजीत सैनी (जम्मू बॉर्डर), हरविंदर सिंह (सांबा), विनोद कुमार शशिंदाश (कठुआ), धरम चंद मलगोत्रा (बसोहली), मुदासिर हैंगर (किश्तवाड़), मुनीर शेख (डोडा), वसीम अकरम (रामबन), सागर वर्मा (उधमपुर), राजिंदर मेंगी (रियासी), विनोद सलोत्रा (नौशेरा), गुलाम मोहम्मद हजाम (अनंतनाग), अब्दुल रशीद मल्ला (बांदीपुरा), रियाज अहमद कुम्हार (बारामूला), बशीर अहमद नजर (बडगाम), मोहम्मद रमजान गनी (गांदरबल), शेराज़ अहमद कुम्हार (कुलगाम)।

ज़ांस्कर के पारंपरिक स्थानीय मक्खन (ज़ांस्कर मार) को एफएसएसएआई पंजीकरण प्राप्त हुआ, जिससे स्वदेशी ब्रांडिंग प्रयासों को बढ़ावा मिला

सबका जम्मू कश्मीर

कारगिल : केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उच्च शिक्षा विभाग के योग्य सचिव के मार्गदर्शन और राजकीय मॉडल डिग्री कॉलेज ज़ांस्कर के प्राचार्य डॉ. अमजद अली अब्बासी के मार्गदर्शन में, कॉलेज ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के साथ ष्स्थानीय मक्खन (ज़ांस्कर मार)ष का सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया है। यह उपलब्धि ज़ांस्कर घाटी के सबसे मूल्यवान लेकिन अपरिचित पारंपरिक उत्पादों में से एक की ब्रांडिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ज़ांस्कर मार (स्थानीय मक्खन) याक (डेमो) के दूध से उत्पादित होता है, विशेष रूप से डोक्सा नामक उच्च–ऊंचाई वाले चरागाहों में। अपने समृद्ध पोषण मूल्य और उच्च वसा मूल्य के लिए जाना जाने वाला, यह मक्खन लंबे समय से बिना किसी औपचारिक ब्रांडिंग के स्थानीय स्तर पर उत्पादित और बेचा जाता रहा है। लद्दाख कौशल विकास मिशन (एलएसडीएम) के अंतर्गत एंटरप्राइजिंग लद्दाख के सहयोग से, गवर्नमेंट मॉडल डिग्री कॉलेज ज़ांस्कर ने इस स्वदेशी उत्पाद को एक आधिकारिक ब्रांड पहचान के तहत लाने की पहल की है। इस कदम से स्थानीय डेयरी किसानों को अपनी उपज का बेहतर लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी और साथ ही ज़ांस्कर क्षेत्र की पारंपरिक डेयरी विरासत का संरक्षण और संवर्धन भी होगा।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक. ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

उत्तराखंड नरेंद्र मोदी के हृदय में बसता है

तरुण विजय

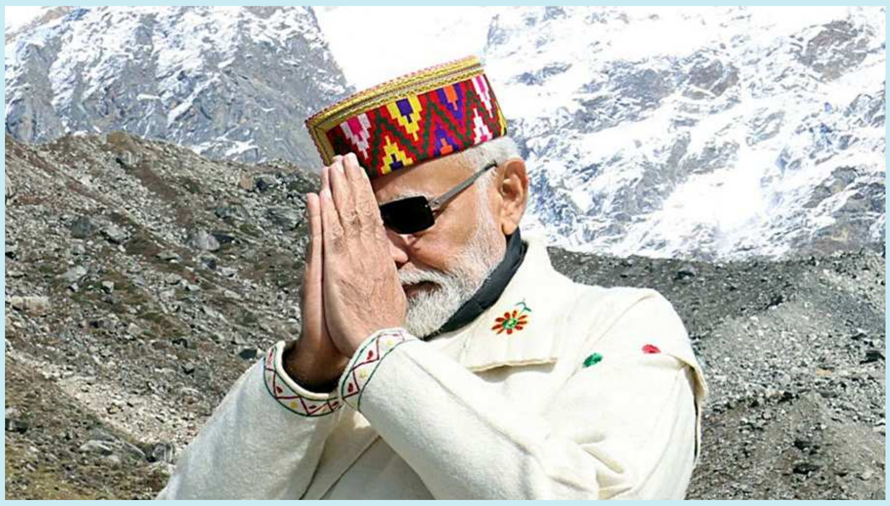

हिमालय में संन्यासी बनते–बनते से लेकर उत्तराखंड निर्माण की रजत जयंती समारोह के उद्‌घाटन तक, नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन में एक पूरा हिमालय जी लिया है। गंगा–यमुना का प्रवाह उनकी आत्मा में है और उत्तराखंड जो आदि काल से वैदिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, वही उनकी दृष्टि को दिशा देती है। राज्य के हर सुख–दुख में नरेंद्र मोदी इस हिमालयी राज्य के लोगों के साथ खड़े दिखे, तब भी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उत्तराखंड ने जो भी आपदा झेली, नरेंद्र मोदी सबसे पहले मदद के लिए दौड़े और सभी जरूरी बचाव दल, सामग्री तथा राहत प्रदान की। वर्ष 2000 में दूरदर्शी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ–शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है।

कुख्यात मुलायम सिंह यादव सरकार के दौरान कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और महिलाओं पर क्रूर अत्याचार हुए। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के कुछ प्रमुख मील के पत्थर इस प्रकार हैं:

– खटीमा गोलीकांड (1 सितंबर 1994)रू शांतिपूर्ण जुलूस पर पुलिस ने अंधाधुंध गोली चलाई, जिसमें कम से कम सात कार्यकर्ताओं की मौत हुई।

– मसूरी गोलीकांड (2 सितंबर 1994)रू खटीमा कांड के विरोध में निकले एक अन्य जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें छह लोगों की मौत हुई, जिनमें महिला कार्यकर्ता बेलमती चौहान और हंसा धनै शामिल थीं।

– रामपुर तिराहा गोलीकांड (2 अक्टूबर 1994)रू दिल्ली प्रदर्शन के लिए जा रहे कार्यकर्ताओं को रोका गया और गोली चलाई गई; कम से कम छह लोग मारे गए और कई महिलाओं के साथ कथित तौर पर बलात्कार व छेड़छाड़ हुई। इसे आंदोलन के इतिहास का "काल दिवस" माना जाता है।

– श्रीयंत्र टापू गोलीकांड (10 नवंबर 1994)रू भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने क्रूर हमला किया, दो की मौत हुई और उनके शव अलकनंदा नदी में फेंक दिए गए।

– कारावास और यातनाएंरू कई कार्यकर्ताओं, जिनमें प्रमुख व्यक्तित्व इंद्रमणि बदोनी (जिन्हें "पर्वत गांधी" कहा जाता है) शामिल हैं, को जेल में डाला गया और उपवास व प्रदर्शनों के दौरान शारीरिक यातना दी गई।

उत्तराखंड प्रतिभाशाली व्यक्तियों और साहसी, निडर लोगों का खजाना रहा है। तीन हजार वर्ष पूर्व कई राजाओं ने अश्वमेध यज्ञ जैसे वैदिक अनुष्ठानों के लिए इसी स्थान को चुना था। आज भी राज्य में दो प्राचीन स्थल एएसआई द्वारा राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर संरक्षित हैं। इनमें से एक श्येन चिति अश्वमेध स्थल (उड़ते गरुड़ के आकार में बना अश्वमेध यज्ञ) देहरादून में है और दूसरा, जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है, पूरोला में। यमुना तट पर महाभारत कालीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध लखामंडल क्षेत्र में कर्ण को समर्पित मंदिर है, जो शायद भारत में एकमात्र है। नौवीं शताब्दी में कत्यूरी राजाओं द्वारा निर्मित कटारमल सूर्य मंदिर 44 मंदि. रों का समूह है, जिसे ओडिशा के कोणार्क जितना महत्वपूर्ण माना जाता है। कोई भी हिंदू अपनी जिंदगी को बिना बद्रीनाथ–केदारनाथ दर्शन के पूरा हुआ नहीं मानता। यहीं भगीरथ ने शिव से गंगा प्राप्त की और आदि शंकराचार्य ने गंगा व शिव की स्तुति में प्रसिद्ध भजन लिखे तथा अंत में हिमालय के केदारनाथ क्षेत्र में निर्वाण प्राप्त किया। अलकन. ंदा और भागीरथी के संगम पर स्वर्गिक सुंदर देव प्रयाग में गंगा को अपना नाम मिलता है। शिव–पार्वती की प्रिय भूमि, मां नंदा देवी हमारी पुत्री भी हैं, जिन्हें मां के रूप में पूजा जाता है और हर बारहवें वर्ष 22 दिनों में 280 किमी की भव्य नंदा राज जात (मां नंदा की राजकीय यात्रा) होती है। गंगा तट पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग नगरी ऋषिकेश और हरिद्वार महाकुंभ स्थल लाखों तीर्थयात्रियों व योग प्रेमियों को आकर्षित करते हैं।

अविभाजित उत्तराखंड ने दो प्रसिद्ध मुख्यमंत्री दिएदृ गोविंद बल्लभ पंत और नारायण दत्त तिवारी तथा वर्तमान में भी राज्य के मुख्यमंत्री, जो देश को प्रधानमंत्री देने के लिए जाना जाता है, उत्तराखंड से हैं।

भारत की रक्षा सेनाएं उत्तराखंड के वीर योद्धाओं के बिना अधूरी हैं। ब्रिटिश काल में गब्बर सिंह नेगी और दरवान सिंह नेगी को विक्टोरिया क्रॉस से लेकर परम वीर चक्र प्राप्त मेजर धन सिंह थापा और अमर किंवदंती राइफलमैन जसवंत सिंह रावत तक, देश को सबसे अधिक सैनिक देने वाले इस राज्य के बहादुर देशभक्त योद्धाओं की लंबी सूची है। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत उत्तराखंड से थे और दूसरे जनरल अनिल चौहान भी। देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, पूर्व

वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ–शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल डी.के. जोशी तथा पीएमओ व वैज्ञानिक संस्थानों में कई उच्च पदाधिकारी इसी राज्य से हैं। इस राज्य ने दुनिया को जो किंवदंतियां दी हैं, उन्हें नाम देना कठिन, यदि असंभव नहीं दृ नवीनतम महिला क्रिकेट सनसनी स्नेह राणा से लेकर प्रथम एवरेस्ट विजेता बछेंद्री पाल, ताशी और नुंगशी मलिक, अभिनव बिंद्रा, ऋषभ पंत, रस्किन बॉन्ड, नरेंद्र सिंह नेगी, बसंती बिष्ट३ यह मां भारत की गौरव और सितारों की अनंत सूची है।

गंगा तट से योग और आयुर्वेद को ध्रुवों तक ले जाने वाले बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण, गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने वाले महर्षि महेश योगी, प्रकृति के शाश्वत कवि सुमित्रानंदन पंत से लेकर हिंदू धर्म और सभ्यता के पुनर्जागरणकर्ता स्वामी रामतीर्थ और स्वामी विवेकानंद तक, सभी ने इस भूमि से गर्मजोशी और प्रेरणा पाई है।

हमारे अपने समय में बाबा नीब करौरी, कैंची धाम दृ स्टीव जॉब्स के गुरु दृ ने इस हिमालयी राज्य की आभा को बढ़ाया है। देहरादून शहर स्वयं सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक और रक्षा संस्थानों, ज्ञान और विज्ञान के केंद्रों का घर है दृ ओएनजीसी, नौसेना हाइड्रोग्राफी, सर्वे ऑफ इंडिया, वन अनुसंधान संस्थान, इंडियन मिलिट्री एकेडमी और राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज का मुख्यालय यहीं है।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग–ए–बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज्	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डैंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटिबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटिबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

मुख्य न्यायाधीश ने अनुसूचित जातियों के आरक्षण में क्रीमी लेयर को शामिल न करने का समर्थन किया

सबका जम्मू कश्मीर

अमरावती : भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को पुष्टि की कि वह अभी भी अनुसूचित जातियों के आरक्षण में क्रीमी लेयर को बाहर रखने के पक्ष में हैं।

श75 वर्षों में भारत और जीवंत भारतीय संविधानश नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गवई ने कहा कि आरक्षण के मामले में आईएएस अधिकारी के बच्चों की तुलना गरीब कृषि मजदूर के बच्चों से नहीं की जा सकती।

गवई ने कहा, ष्मैंने आगे बढ़कर यह विचार रखा कि क्रीमी लेयर की अवधारणा, जैसा कि इंद्रा साहनी (बनाम भारत संघ एवं अन्य) के फैसले में पाया गया है, लागू होनी चाहिए। जो अन्य पिछड़ा वर्ग पर लागू है, वही अनुसूचित जातियों पर भी लागू होना चाहिए, हालाँकि इस मुद्दे पर मेरे फैसले की व्यापक आलोचना हुई है।ष्

न्यायमूर्ति गवई ने आगे कहा, ष्लेकिन मैं अब भी मानता हूं कि न्यायाधीशों से सामान्यतः अपने निर्णयों को उचित ठहराने की अपेक्षा नहीं की जाती है, और मेरी सेवानिवृत्ति में अभी भी लगभग एक सप्ताह का समय बाकी है।ष्

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में समानता या महिला सशक्तिकरण की गति बढ़ रही है और उनके साथ होने वाले भेदभाव की कड़ी आलोचना की गई है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी यात्रा समाप्त करने

से पहले, उन्होंने जो अंतिम समारोह में भाग लिया था वह फिर से आंध्र प्रदेश के अमरावती में था, जबकि सीजेआई बनने के बाद पहला समारोह महाराष्ट्र में उनके पैतृक स्थान अमराव. ती में था।

न्यायमूर्ति गवई ने 2024 में कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के बीच भी क्रीमी लेयर की पहचान करने और उन्हें आरक्षण का लाभ देने से इनकार करने के लिए एक नीति विकसित करनी चाहिए।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि भारतीय संविधान ष्स्थिरष् नहीं है, डॉ. बी.आर. अंबेडकर का हमेशा मानना था कि इसे विकसित, जैविक और अत्याधुनिक जीवंत दस्तावेज होना चाहिए, क्योंकि अनुच्छेद 368 संविधान में संशोधन का प्रावधान करता है। उन्होंने कहा, ष्एक ओर डॉ. अंबेडकर की आलोचना की गई कि संविधान में संशोधन करने की शक्तियां बहुत उदार हैं, और दूसरी ओर, यह आलोचना की गई कि कुछ संशोधनों के लिए आधे राज्यों और संसद के दो–तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, और इस तरीके से संशोधन करना कठिन था।ष्

उनके अनुसार, संविधान सभा में संविधान का मसौदा प्रस्तुत करने के दौरान डॉ. अंबेडकर के भाषण सबसे महत्वपूर्ण भाषण हैं, जिन्हें कानून के प्रत्येक छात्र को पढ़ना चाहिए।

आंबेडकर को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बिना समानता, मनुष्य के जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के प्रोत्साहन को समाप्त कर देगी और केवल स्वतंत्रता ही शक्तिशाली को कमजोर पर प्रभुत्व प्रदान करेगी। सामाजिक और आर्थिक न्याय प्राप्त करने की दिशा में देश को आगे ले जाने के लिए समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की त्रिमूर्ति आवश्यक होगी।

उन्होंने कहा कि संविधान के कारण ही भारत में अनुसूचित जाति से दो राष्ट्रपति हुए हैं और वर्तमान राष्ट्रपति भी अनुसूचित जनजाति की महिला हैं।

गवई ने कहा, ष्अमरावती के अर्ध–झुग्गी–झोपड़ी क्षेत्र में स्थित एक नगरपा. लिका स्कूल से प्राप्त एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद, मैं न्यायपालिका के सर्वोच्च पद तक पहुंच सका और राष्ट्र निर्माण में अपने विनम्र तरीके से योगदान दे सका, केवल भारत के संविधान के कारण।ष्

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के चार स्तंभों पर टिका है।

पुलिस ने पीओके में रहने वाले अलगाववादियों से जुड़ी संपत्तियां जब्त कीं

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू एवं कश्मीर के पुलवामा जिले में वर्तमान में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में रह रहे एक अलगाववादी की संपत्ति कुर्क की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अवंतीपोरा में पुलिस ने जम्मू–कश्मीर पीपुल्स लीग से जुड़े अलगाववादी मोहम्मद याकूब शेख की चार मरला जमीन के साथ एक आवासीय मकान को भी जब्त कर लिया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण कश्मीर जिले के नंबलबल पंपा. र इलाके का निवासी शेख वर्तमान में पीओके में रह रहा है।

उन्होंने बताया कि यह कुर्की अतिरिक्त सत्र न्यायालय, पुलवामा (एनआईए अधिनियम के तहत विशेष न्यायालय) के आदेश के बाद की गई।

प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले के संबंध में की गई।

उन्होंने कहा कि विधिक अनुमोदन के बाद की गई संपत्ति की कुर्की, अलगाववादी नेटवर्क को ध्वस्त करने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मोदी 19 नवंबर को पीएम–किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 नवंबर को पीएम–किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे, जिसके तहत पात्र किसाना. ें को सालाना 6,000 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं।

पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) योजना, 24 फरवरी, 2019 को शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो प्रत्येक पात्र किसान परिवार को 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

कृषि मंत्री ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री 19 नवंबर, 2025 को पीएम–किसान की 21वीं किस्त जारी करेंगे।

अब तक देश के 11 करोड़ से ज़्यादा किसान परिवारों को 20 किश्तों में 3.70 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि वितरित की जा चुकी है। इस धनराशि से किसानों को कृषि संबंधी ज़रूरी सामान खरीदने के अलावा शिक्षा, चिकित्सा और विवाह जैसे अन्य खर्चों को पूरा करने में भी मदद मिली है।

इस योजना का लाभ उन किसानों को दिया जा रहा है जिनकी भूमि का विवरण पीएम–किसान पोर्टल पर दर्ज है तथा जिनके बैंक खाते आधार से जुड़े हैं। केंद्र ने पीएम–किसान योजना के तहत सभी कृषि योग्य भूमि वाले किसानों की पहचान, सत्यापन और उन्हें शामिल करने के लिए समय–समय पर विभिन्न ग्राम–स्तरीय विशेष संतृप्ति अभियान भी चलाए हैं।

किसानों के जीवन पर पीएम–किसान योजना के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए 2019 में अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं नीति अनुसंधान संस्थान द्वारा एक अध्ययन भी किया गया है।

बयान में कहा गया है, अध्ययन से यह स्पष्ट है कि पीएम–किसान योजना के तहत वितरित धनराशि ने ग्रामीण आर्थिक विकास में उत्प्रेरक का काम किया है, किसानों के लिए ऋण संबंधी बाधाओं को कम करने में मदद की है, तथा कृषि आदानों में निवेश बढ़ाया है।

केंद्रीय एजेंसियों ने विस्फोटकों की प्रकृति का विश्लेषण करने के लिए पुलिस स्टेशन विस्फोट स्थल से नमूने एकत्र किए

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : एनएसजी, एनआईए और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की टीमों ने रविवार को जम्मू–कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट स्थल का दौरा किया, जहां एक आकस्मिक विस्फोट में नौ लोगा. ें की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों ने शुक्रवार रात हुए विस्फोट स्थल से नमूने एकत्र करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया।

उन्होंने आगे बताया कि श्सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल से जब्त विस्फोटकों की प्रकृति की जांच के लिए नमूनों का विश्लेषण किया जाएगा, जिसे नौगाम पुलिस स्टेशन में संग्रहीत किया गया था।

शुक्रवार की रात पुलिस थाने में उस समय आकस्मिक विस्फोट हो गया, जब अधिकारी श्सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल मामले में जब्त किए गए विस्फोटकों के बड़े जखीरे से नमूने निकाल रहे थे।

इस घटना में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के तीन लोग, राजस्व विभाग के दो लोग, जिनमें एक नायब तहसीलदार भी शामिल था, दो पुलिस फोटोग्राफर, राज्य जांच एजेंसी का एक सदस्य और एक दर्जी मारे गए।

अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ जब कर्मचारी हरियाणा के फरीदाबाद से लाई गई विस्फोटक सामग्री को संभाल रहे थे।

उन्होंने बताया कि रसायनों की अस्थिर प्रकृति के कारण विस्फोट हुआ।

यह सामग्री गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुजम्मिल गनई के किराए के आवास से बरामद 360 किलोग्राम विस्फोटक का हिस्सा थी।

जीएमसी जम्मू में पांच वर्षों में कैंसर के 9,427 मामले दर्ज; अधिकांश मामले उन्नत अवस्था में रिपोर्ट किए गए

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : राजकीय मेडिकल कॉलेज जम्मू स्थित राज्य कैंसर संस्थान ने पांच वर्ष की अवधि में 9,427 कैंसर के मामले दर्ज किए हैं, जिनम. ें से अधिकांश मरीज बीमारी के तीसरे या चौथे चरण में पहुंचने के बाद ही अस्पताल पहुंचे।

2020 से 2024 तक के नवीनतम अस्पताल–आधारित कैंसर रजिस्ट्री डेटा के अनुसार, 5,351 रोगी पुरुष और 4,076 महिलाएं थीं, जिससे पुरुष–महिला अनुपात 1. 31रू1 हो गया, और इस क्षेत्र में पुरुषों में कैंसर का बोझ अधिक होने का संकेत मिलता है। फेफड़ों का कैंसर 1,338 मामलों के साथ सबसे आम घातक बीमारी के रूप में उभरा, इसके बाद सिर और गर्दन के कैंसर (1,005), स्तन (704), हेपेटोबिलरी (681), जननांग–मूत्र (654), हेमटोलॉजिकल कैंसर (653), एसोफैजियल (519), मौखिक कैंसर (519), और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (494) का स्थान रहा।

अन्य प्रमुख कैंसरों में आंत (456), अज्ञात प्राथमिक या सीयूपी कैंसर (410), डिम्बग्रंथि (354), लिम्फोमा (305), पेट (279), मस्तिष्क (263), प्रोस्टेट (233) और हड्डी और नरम ऊतक कैंसर (210) शामिल हैं, इसके अलावा 186 अन्य महिलाओं के कैंसर, 111 त्वचा कैंसर और 53 अन्य प्रकार के रूप में वर्गीकृ त हैं, जैसा कि डेटा से पता चलता है।

जम्मू जिले में सबसे अधिक 3,671 मामले हैं, इसके बाद उधमपुर (943), कठुआ (855), डोडा (694), राजौरी (675), सांबा (580), रियासी (532), पुंछ (424), किश्तवाड़ (292), और रामबन (222) हैं। अन्य 539 मरीज जम्मू संभाग के बाहर से थे।

आयु–वार आँकड़े दर्शाते हैं कि 60–80 वर्ष आयु वर्ग में 4,234 मामले सामने आए द्द जो सभी श्रेणियों में सबसे अधिक है द्द जबकि 40–60 वर्ष आयु वर्ग में 3,669 मामले सामने आए। कुल 964 मरीज़ 20–40 आयु वर्ग के थे, 456 80 वर्ष से ऊपर के थे, और 102 0–20 आयु वर्ग के बच्चे और किशोर थे।

स्टेजिंग डेटा एक चिंताजनक प्रवृत्ति दर्शाता है, जिसमें 4,029 मरीज़ों का निदान चरण प्ट में और 2,744 का चरण ।।। में हुआ, जो दर्शाता है कि ज़्यादातर मरीज़ तब अस्पताल पहुँचे जब बीमारी गंभीर अवस्था में पहुँच चुकी थी।

पहली बार जम्मू–कश्मीर में चार महिला विधायक होंगी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : भाजपा की देवयानी राणा ने शुक्रवार को नगरोटा विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव जीतकर नई उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर में पहली बार चार महिला विधायक निर्वाचित होंगी। जम्मू और कश्मीर विधानसभा ने 2008, 2014 और 2024 में तीन महिला विधायकों को चुना था, जो अब तक का सबसे अधिक महिला प्रतिनिधित्व है।

2008 और 2014 के चुनावों में विधानसभा में निर्वाचित महिलाओं की हिस्सेदारी 3.4 प्रतिशत थी, जब सदन की क्षमता 87 थी। 2022 में परिसीमन के बाद निर्वाचित सीटों की संख्या 90 हो जाने पर यह मामूली रूप से घटकर 3.33 प्रतिशत रह गई।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जेके खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा जागरूक कार्यक्रम

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू/राजौरी, अनिल भारद्वाज

जम्मू–कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड राजौरी ने ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम ग्रामोद्योग रोजगार योजना के बारे में गांव मुरादपुर में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया ताकि बेरोजगार युवाओं, ग्रामीण कारीगरों और आम जनता के बीच योजना के तहत प्रदान किए जा रहे प्रोत्साहनों के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके।

जागरूकता शिविर में क्षेत्र के पूर्व सरपंच, पंच और सामाजिक कार्यकर्ता, बेरोजगार युवा, पारंपरिक कारीगर और उद्यमी शामिल हुए। इस अवसर पर विभाग के प्रतिनिधियों और बैंकरों ने योजना के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी।

केवीआईबी राजौरी के जिला अधिकारी मोहम्मद गयास खान ने बताया कि इस केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत 50 लाख तक की परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, परियोजना लागत का 25 प्रतिशत से 35 प्रतिशत बोर्ड द्वारा मार्जिन मनी प्रदान की जाती है और जहां 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत लाभार्थी द्वारा स्वयं बैंक ऋण की मात्रा का योगदान दिया जाता है, वहीं परियोजना लागत का 90 प्रतिशत से 95 प्रतिशत बैंक ऋण की राशि होती है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवाओं और उद्यमियों को नई इकाइयाँ स्थापित करके रोज़गार के प्रति जागरूक करना है। केवीआईबी के जिला अधिकारी मोहम्मद गयास ने आगे बताया कि बोर्ड उत्पादों की बिक्री के लिए इकाइयों को विपणन सहायता भी प्रदान कर रहा है। जागरूकता शिविर में प्रतिभागियों को योजना की विस्तृत जानकारी देने वाली मुद्रण सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए, निदेशक आरसेटी जेकेबी, जिला उद्योग केंद्र राजौरी के प्रतिनिधि, पूर्व सरपंच और पंचों ने केवीआईबी के साथ निकट संपर्क बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि उनकी केंद्र प्रायोजित योजना का लाभ सबसे योग्य और ज़रूरतमंद लोगों तक पहुंचे।

दिल्ली विस्फोट : एनआईए ने आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी के साथ साजिश रचने वाले कश्मीरी व्यक्ति को गिरफ्तार किया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : लाल किला क्षेत्र कार बम विस्फोट मामले में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एक कश्मीर निवासी को गिरफ्तार किया है जिसने कथित तौर पर ष्आत्मघाती हमलावरष् डॉ उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकवादी हमले को अंजाम देने की साजिश रची थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी।

संघीय जांच एजेंसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अमीर राशिद अली, जिसके नाम पर विस्फोट में शामिल कार पंजीकृत थी, को एनआईए ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली पुलिस से मामला अपने हाथ में लेने के बाद एनआईए ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया था।

जांच एजेंसी की जांच में पता चला था कि जम्मू–कश्मीर के पंपोर के संबूरा निवासी आरा.`पी ने आत्मघाती हमलावर उमर के साथ मिलकर आतंकी हमला करने की साजिश रची थी।

एनआईए ने कहा कि आमिर कथित तौर पर कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली आया था, जिसका इस्तेमाल अंततः विस्फोट को अंजाम देने के लिए वाहन–जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के रूप में किया गया था। यह पहली बार है जब जाँच एजेंसी ने डॉ. उमर उन नबी को, जो 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट के समय कार चला रहे थे, ष्आत्मघाती हमलावरष् बताया है। इसके अलावा, एनआईए ने पहली बार कार के लिए ष्वाहन–जनित आईईडीष् शब्द का इस्तेमाल किया है।

एनआईए ने फोरेंसिक जांच से ष्वाहन–जनित आईईडीष् के मृत चालक की पहचान उमर उन नबी के रूप में की है, जो जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले का निवासी है और फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय के सामान्य चिकित्सा विभाग में सहायक प्रोफेसर है।

आतंकवाद निरोधी एजेंसी ने उमर का एक और वाहन भी ज़ब्त कर लिया है। इस मामले में सबूतों के लिए इस वाहन की जाँच की जा रही है। इस मामले में एनआईए अब तक 73 गवाहों से पूछताछ कर चुकी है, जिनमें विस्फोट में घायल हुए लोग भी शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस, जम्मू–कश्मीर पुलिस, हरियाणा पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और विभिन्न सहयोगी एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करते हुए, एनआईए विभिन्न राज्यों में अपनी जांच जारी रखे हुए है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि जांच एजेंसी ष्बम विस्फोटष् के पीछे की बड़ी साजिश का पता लगाने और मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए विभिन्न सुरागों का पता लगा रही है।

लाल किला बम विस्फोट मामले में एनआईए को बड़ी सफलता, आत्मघाती हमलावर के सहयोगी की गिरफ्तारी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : लाल किला क्षेत्र कार बम विस्फोट मामले में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक कश्मीरी निवासी को गिरफ्तार किया है, जिसने आत्मघाती हमलावर के साथ मिलकर आतंकवादी हमले की साजिश रची थी। इस हमले में 10 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और लगभग 25 अन्य घायल हो गए थे। हमले में शामिल कार जिसके नाम पर पंजीकृत थी, आमिर राशिद अली को एनआईए ने दिल्ली से गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस से मामला अपने हाथ में लेने के बाद एनआईए ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया था।

एनआईए की जाँच से पता चला है कि जम्मू–कश्मीर के पंपोर के संबूरा निवासी आरोपी ने कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमले की साजिश रची थी।

आमिर उस कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली आया था जिसका इस्तेमाल अंततः विस्फोट के लिए वाहन–जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के रूप में किया गया था। एनआईए ने फोरेंसिक जाँच से वाहन–जनित आईईडी के मृतक चालक की पहचान उमर उन नबी के रूप में की है, जो पुलवामा जिले का निवासी और फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर था।

आतंकवाद–रोधी एजेंसी ने नबी का एक और वाहन भी ज़ब्त कर लिया है। इस मामले में सबूतों के लिए इस वाहन की जाँच की जा रही है। इस मामले में एनआईए अब तक 73 गवाहों से पूछताछ कर चुकी है, जिनमें 10 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में हुए विस्फोट में घायल हुए लोग भी शामिल हैं।

72वें सहकारिता सप्ताह की सुंदरबनी में हुई शुरुआत, आत्मनिर्भरता का संकल्प दोहराया गया

ध्वजारोहण समारोह में जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी; अधिकारियों ने ग्रामीण सशक्तिकरण और युवा रोजगार में सहकारिताओं की भूमिका पर दिया जोर

सबका जम्मू कश्मीर

राजौरी : सुंदरबनी में 72वें सहकारिता सप्ताह की शुरुआत रविवार को सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई। सहायक रजिस्ट्रार सहका. रिता सोसाइटी कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सहकारी मार्केटिंग सोसाइटी, सुंदरबनी के चेयरमैन अंकुश शर्मा ने सहकारिता ध्वज फहराया। तिरंगे से प्रेरित इस ध्वज के आरोहण के साथ ही एकता, सहयोग और आत्मनिर्भरता की भावना को फिर से मजबूती मिलीकृये वही मूल मूल्य हैं जिन्होंने भारत के सहक. ारिता आंदोलन को दशकों से दिशा दी है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सहकारी संस्थाओं के सदस्य, किसान, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य जनता को सहकारिता आंदोलन के महत्व, उसकी कार्यप्रणाली और इससे जुड़े सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देना था। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित चेयरमैन अंकुश शर्मा ने ग्रामीण विकास में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारी समितियाँ किसानों, महिलाओं, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों को सशक्त करने में निरंतर योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा, "सहकारिता मजबूत होगी तो गांव और समुदाय मजबूत होंगे। यह हजारों परिवारों को आर्थिक स्थिरता और मजबूती प्रदान करती है।" उन्होंने सहकारी मार्केटिंग सोसाइटी सुंदरबनी के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें किसानों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना, बाजार तक पहुंच बढ़ाना, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना तथा कल्याणकारी योजनाओं की समय पर जानकारी देना शामिल है। शर्मा ने यह भी कहा कि सहकारिता क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाकर बेरोजगारी जैसी समस्या को कम किया जा सकता है और उन्हें टिकाऊ रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के अधिकारियों देवराज और साहिल आनंद ने भी संबोधित किया। उन्होंने युवाओं के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि डेयरी और बकरी पालन इकाइयों, कृषि आधारित उद्यमों, बागवानी परियोजनाओं, पोल्ट्री फार्मों, उपभोक्ता स्टोर, कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं और विभिन्न प्रोसेसिंग इकाइयों के लिए विशेष प्रोत्साहन और सहायता प्रदान की जा रही है।

विधायक अरविंद गुप्ता ने बख्शी नगर में पानी की समस्या के समाधान के लिए पीएचई पाइपलाइन परियोजना का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने आज बख्शी नगर के वार्ड संख्या 28 में एक महत्वपूर्ण पीएचई पाइपलाइन परियोजना का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही पानी की कमी की समस्या को दूर करना है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत शुरू की गई यह परियोजना दो प्रमुख क्षेत्रों – बख्शी नगर (वार्ड संख्या 28) और वार्ड संख्या 26 – को कवर करेगी, जिसकी कुल लागत 67 लाख रुपये है।

नई पानी की पाइपलाइन बख्शी नगर उप–मंडल से राम मंदिर तक जाएगी, जिससे उन सैकड़ों घरों को नियमित और पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी जो लंबे समय से अनियमित और अपर्याप्त पानी की उपलब्धता का सामना कर रहे थे।

जनसमूह को संबोधित करते हुए, अरविंद गुप्ता ने कहा, ष्बख्शी नगर के लोग वर्षों से पानी की गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं। आज, इस परियोजना के साथ, हम हर घर को स्वच्छ और निर्बाध पानी उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा कर रहे हैं। समर्पण और जवाबदेही के साथ विकास हमारी प्राथमिकता है।ß

उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना नागरिक बुनियादी ढाँचे में सुधार और हर नागरिक तक बुनियादी सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

गुप्ता ने कहा, ष्हमारा ध्यान ज़मीनी स्तर पर विकास पर केंद्रित है। हम जम्मू पश्चिम को एक आदर्श निर्वाचन क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहाँ हर इलाके को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचा और आवश्यक सेवाएँ प्राप्त हों।ß

उद्घाटन समारोह में मंडल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति, वरिष्ठ भाजपा नेता अतुल बख्शी, और पीएचई अधिकारी एक्सईएन तजिंदर सिंह, एईई पंकज मोहन और जेई शुभम सिंह बलोरिया के साथ–साथ स्थानीय निवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा महासचिव मोहित और पार्टी सदस्य अजय, आनंद और इंद्रेश भी उपस्थित थे। अरविंद गुप्ता ने समय पर कार्यान्वयन के लिए पीएचई अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और निवासियों से निर्माण चरण के दौरान सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिक मुद्दों को चरणबद्ध तरीके से संबोधित करने और यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि विकास का लाभ जम्मू पश्चिम के हर कोने तक पहुँचे।

जनजातीय गौरव वर्ष अभियान के तहत बांदीपोरा में जनसुनवाई सत्र आयोजित किए गए

सबका जम्मू कश्मीर

बांदीपुराः जनजातीय गौरव वर्ष (जेजेजीवी) अभियान के तहत, प्रभावी जन पहुंच, शिकायत निवारण और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए बांदीपुरा जिले में जन सुनवाई (जन सुनवाई) सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

इस अवसर पर, बांदीपोरा के सहायक आयुक्त पंचायत (एसीपी) ने बदुआब, तुलैल, बुगलिंदर, गुंड गुल शेख, हुसंगम और मलंगम में कई जन सुनवाई शिविर आयोजित किए, जहाँ स्थानीय निवासियों ने बुनियादी सुविधाओं, सेवा वितरण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न मुद्दे उठाए। कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि अन्य शिकायतों को संबंधित विभागों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई के लिए दर्ज किया गया।

इसी प्रकार, चंदाजी आदि सेवा केंद्र में एक शिकायत निवारण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें नोडल अधिकारी (तहसीलदार बांदीपोरा) ने भाग लिया, जिसके दौरान नागरिकों ने अधिकारियों के साथ बात. चीत की और विकास कार्यों और सामाजिक कल्याण योजनाओं से संबंधित चिंताओं को साझा किया।

डीसी श्रीनगर, एसएमसी आयुक्त ने शहर में यातायात जाम कम करने के उपायों की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : श्रीनगर के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) अक्षय लाबरू ने श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) के कमिश्नर के साथ गुरुवार को डीसी कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में शहर में यातायात की भीड़भाड़ से संबंधित प्रमुख मामलों पर विचार–विमर्श करने के लिए एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में एसएसपी ट्रैफिक ऐजाज अहमद, अतिरिक्त उपायुक्त मीर इम्तियाज उल अजीज, अतिरिक्त उपायुक्त आदिल फरीद, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कश्मीर काजी इरफान, मुख्य योजना अधिकारी फैयाज अहमद डार, अधीक्षण अभियंता आरएंडबी दक्षिण तथीर मंजूर, अधीक्षण अभियंता आरएंडबी उत्तर शबीर अहमद, एआरटीओ श्रीनगर मौजम अली, एसएससीएल के अधिकारी और अन्य संबंधित लोग उपस्थित थे।

आरंभ में, विभिन्न एजेंडा बिंदुओं को अंतिम रूप देने पर विस्तृत चर्चा हुई, जिनमें श्रीनगर शहर में समर्पित बस स्टॉप की अधिसूचना, अनुबंध कैरिज परमिट पर चित्रण, भीड़भाड़ को कम करने के लिए चुनिंदा मार्गों पर वन–वे ट्रैफिक की प्रतिकृति, ब्लैक स्पॉट की पहचान, शहर के भीतर ई–रिक्शा का सुव्यवस्थित विनियमन, मौजूदा मार्गों को आसान बनाने के लिए अतिरिक्त और वैकल्पिक सड़क संपर्क परियोजनाओं की खोज, वैकल्पिक सड़क परियोजनाएं, अतिरिक्त पार्किंग सुविधाओं का निर्माण आदि शामिल थे।

डीसी बडगाम ने "वंदे मातरम" के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में साइकिल, बाइक, मैराथन रैलियों को हरी झंडी दिखाई

सबका जम्मू कश्मीर

बडगाम : प्रतिष्ठित देशभक्ति गीत ष्वंदे मातरमß के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे समारोह के हिस्से के रूप में, जिला प्रशासन बडगाम ने आज जीवंत और उत्साही साइकिल रैलियों, बाइक रैलियों और मैराथन दौड़ की एक श्रृंखला का आयोजन किया, जिससे पूरे जिले में एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का संदेश फैला।

रैलियों को बडगाम के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट ने स्पोर्ट्स स्टेडियम बडगाम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एडीसी मेहराजुद्दीन शाह के अलावा सीपीओ बडगाम, डीआईओ बडगाम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रैलियों का समापन रेलवे स्टेशन बडगाम पर हुआ, जो "वंदे मातरम" की शाश्वत भावना से प्रेरित होकर भारत की प्रगति की आगे की यात्रा का प्रतीक था।

वातावरण देशभक्ति के उत्साह से भर गया और हवा में "वंदे मातरम" के नारे गूंजने लगे।

भारत की विविधता में एकता का जश्न मनाते देशभक्ति संगीत और नारों ने प्रतिभागियों और दर्शकों को समान रूप से प्रेरित किया, जिससे सामूहिक ऊर्जा और मातृभूमि के प्रति समर्पण की लहर पैदा हुई।

इस अवसर पर बोलते हुए डीसी बडगाम ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित ष्वंदे मातरमß के ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि इस गीत ने स्वतंत्रता सेना. नियों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है और यह राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को प्रज्वलित करता रहता है।

डीसी बडगाम ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का उद्देश्य युवाओं और नागरिकों को भारत की समृद्ध देशभक्ति और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है, साथ ही फिटनेस, अनुशासन और सामुदायिक भागीदारी के मूल्यों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बडगाम के छात्रों, स्वयंसेवकों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की, जो बड़े उत्साह के साथ इस उत्सव में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में स्कूल और कॉलेज के छात्रों, युवा क्लबों के सदस्यों, एनएसएस स्वयंसेवकों और पुलिस तथा नागरिक प्रशासन के अधिका. रियों की व्यापक भागीदारी देखी गई, जिससे स्पोर्ट्स स्टेडियम से लेकर रेलवे स्टेशन बडगाम तक का पूरा मार्ग तिरंगे और गीत के एक भावपूर्ण उत्सव में बदल गया।

आईआईआईएम श्रीनगर में राष्ट्रीय आईपी आउटरीच मिशन के तहत बौद्धिक संपदा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के श्रीनगर स्थित एमएसएमई विकास और सुविधा कार्यालय (डीएफओ) की शाखा ने सीएसआईआर भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम), सनतनगर के अटल इनक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से आईआईआईएम श्रीनगर में राष्ट्रीय आईपी आउटरीच मिशन के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमियों, स्टार्ट–अप्स और एमएसएमई के बीच नवाचार को बढ़ावा देने, प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाने और व्यापार विकास को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा (आईपी) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

इस अवसर पर, अटल इन्क्यूबेशन सेंटर आईआईआईएम के सीईओ डॉ. शाहिद जिब्रान ने नवाचार को बढ़ावा देने और उभरते उद्यमियों को समर्थन देने में इन्क्यूबेशन केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

सहायक निदेशक, शाखा एमएसएमई डीएफओ ने कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया तथा कपड़ा क्षेत्र से व्यावहारिक उदाहरण साझा करते हुए आईपीआर के महत्व को रेखांकित किया। आईयूएसटी फाउंडेशन के सीआईईडी के सीईओ ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया और इस क्षेत्र में उद्यमिता और शोध–आधारित नवाचार को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा जागरूकता के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से उद्यमिता के क्षेत्र में अवसरों का सक्रिय रूप से अन्वेषण करने का भी आग्रह किया।

एल–क्रिस्टल के प्रबंध निदेशक ने ष्एक सफल उद्यमी के लिए बौद्धिक संपदा का महत्वß विषय पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया और बताया कि कैसे बौद्धिक संपदा स्टार्टअप्स और स्थापित उद्यमों, दोनों के लिए एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में कार्य करती है। उन्होंने बौद्धिक संपदा के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला जो उद्यम विकास में योगदान करते हैं और समाज पर इसके सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर
"पत्रकारों की आवश्यकता"
'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र
के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें
योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव
अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

सबका जम्मू कश्मीर

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक संदेश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन
MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

विधायक राजीव जसरोटिया ने 4 पंचायतों में 55 लाख के विकास कार्य शुरू किए

सबका जम्मू कश्मीर

जसरोटारू विधायक जसरोटा राजीव जसरोटिया ने गुरुवार को अपने क्षेत्र की चार पंचायतोंकृहरदो मुट्ठी, माही चक्क, तरेहढा और फलोटकृमें 55 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन कार्यों से स्थानीय लोगों को बेहतर सड़क, सुविधाएँ और आधारभूत ढांचा मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक जसरोटिया ने लोगों की समस्याएँ सुनीं और उनके जल्द समाधान का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का निपटारा उनकी प्राथमिकता है और वह हर मुद्दे पर गंभीरता से काम करेंगे।

इस मौके पर बीडीओ बरनोटी सूरज सिंह, डीडीसी सुषमा देवी, सरपंच दविंदर सिंह, अमरजीत सिंह, जीता मेहता, सरपंच जगदीश पूनिया, कैप्टन राजिंदर सिंह और मनिंदर सिंह सहित कई गणमान्य लोग और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एम एल ए जसरोतिया ने कहा कि वह क्षेत्र में एक मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली बनाने के लिए काम कर रहे हैं, ताकि लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे विकास के इस सफर में साथ दें और एक बेहतर तथा समृद्ध जसरोटा बनाने में सहयोग करें।

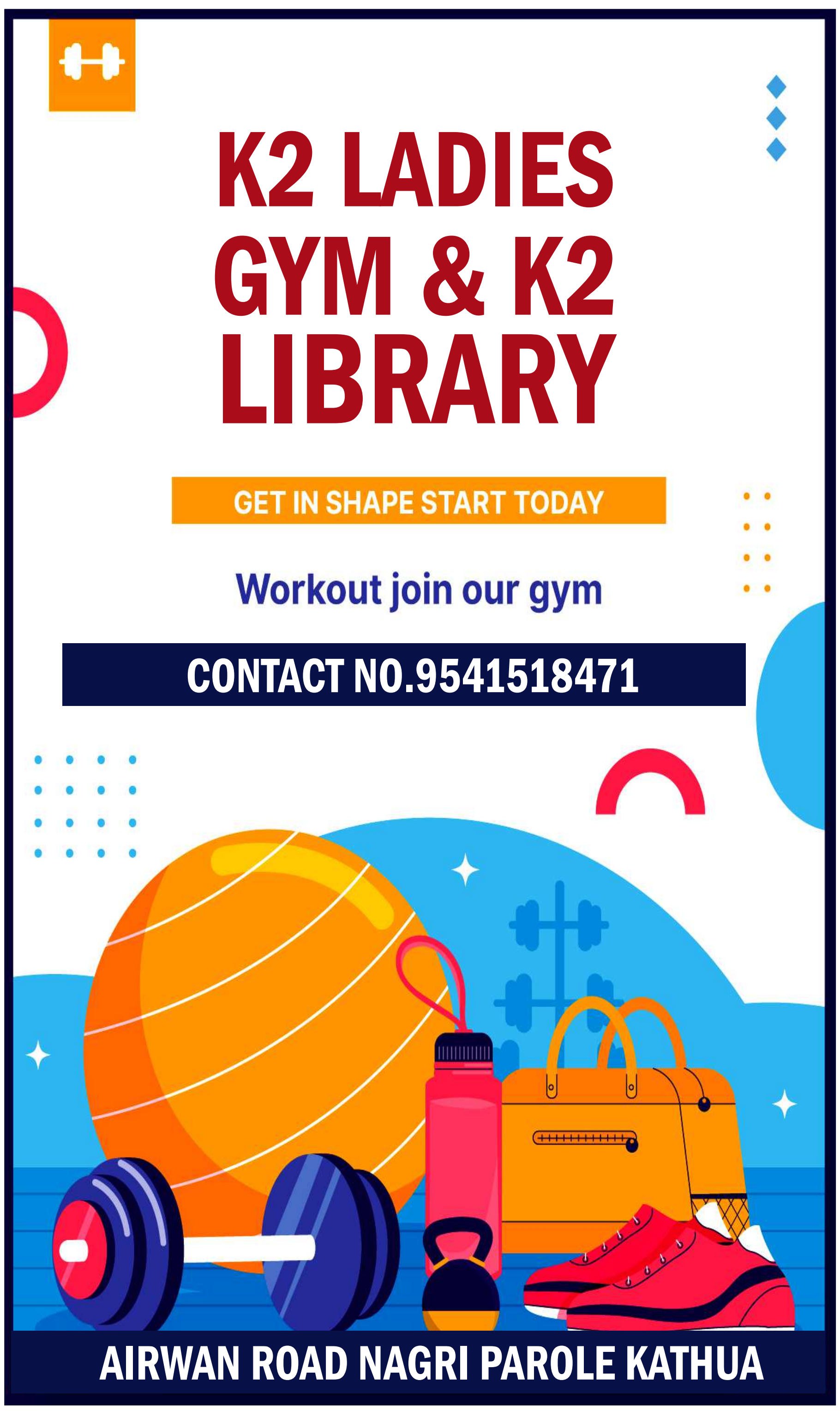

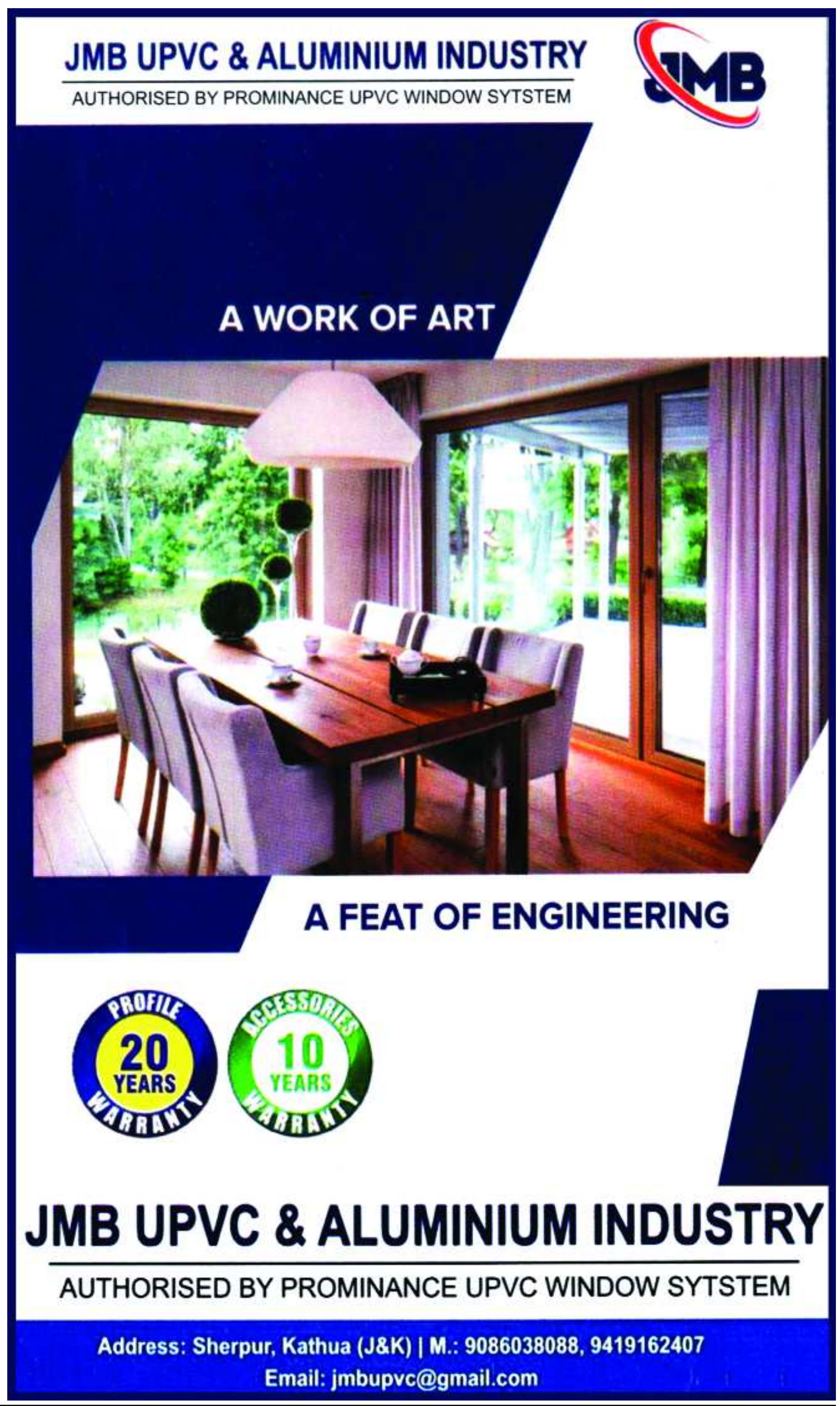

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक: राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादक: राज कुमार